

# स्टूडियो न्यूज़

वर्ष : 3 अंक : 8

लखनऊ, बृहस्पतिवार, 6 फरवरी 2020 से 5 मार्च 2020

पृष्ठ : 16

मूल्य : 10 रुपये

## स्टूडियो न्यूज़

द्वारा प्रकाशित

### उत्तर प्रदेश फोटोग्राफर्स बिजनेस डायरेक्ट्री - 2020

उत्तर प्रदेश के सभी  
फोटोग्राफर साथियों को एक छत के  
नीचे लाने और बिजनेस डायरेक्ट्री में  
जिलेवार उनके नाम प्रकाशित कर  
उनके व्यवसाय को बढ़ावा देने के  
उद्देश्य से स्टूडियो न्यूज़ की  
उत्तर प्रदेश फोटोग्राफर्स  
बिजनेस डायरेक्ट्री-2020  
में अपना नाम प्रकाशित करने  
के लिए सम्पर्क करें  
या वेबसाइट पर लॉग-इन करें।



फोटो देखिए ही नहीं सुनिए भी

[www.studionews.co.in](http://www.studionews.co.in), [www.studionewsindia.com](http://www.studionewsindia.com)

फोन : +91-522-4108575 | मोबाइल : +91 6394444707, +91 9451505711



सहयोग :

फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश



## सम्पादक की कलम से ...

मेरे फोटोग्राफर साथियों,

साथियों स्टूडियो न्यूज़ के फरवरी 2020 अंक के साथ हम आपके समक्ष हैं। समय के हिसाब से ये जरुरत महसूस होने लगी है कि फोटोग्राफर्स साथी केवल अपने जिले में ही काम न करें बल्कि वो और जिले व प्रदेश में भी काम करें। फोटोग्राफर्स साथियों को साथ जोड़ने के उद्देश्य से स्टूडियो न्यूज़ ने पहल करते हुए सर्वप्रथम उत्तर प्रदेश में फोटोग्राफर्स की डायरेक्टरी निकालने का संकल्प लिया है। ये डायरेक्टरी प्रिंट फॉर्मेट तथा ऑनलाइन दोनों तरह से होगी। आप लोगों से आग्रह है कि अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने हेतु आप लोग ज्यादा से ज्यादा संख्या में इसमें रजिस्ट्रेशन करवाएं। रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन स्टूडियो न्यूज़ की वेबसाइट पर एवं ऑफलाइन फॉर्म भर कर किया जा सकता है। रजिस्ट्रेशन के लिए हमने अलग-अलग कैटेगरी बनायी हैं। एक कैटेगरी में रजिस्ट्रेशन के लिए 500 रुपये देय होगा, और अतिरिक्त प्रत्येक कैटेगरी में रजिस्ट्रेशन करने के लिए 300 रुपये देय होगा। इसमें आपको प्रिंटेड डायरेक्टरी मिलेगी तथा आपकी डिटेल फोटो सहित वेबसाइट पर ऑनलाइन डायरेक्टरी में भी होगी। ये डायरेक्टरी स्टूडियो न्यूज़ के तीन साल पूरे होने के उपलक्ष्य में जुलाई में प्रकाशित होना प्रस्तावित है।

स्टूडियो न्यूज़ के इस अंक में हमने फोटोग्राफी की लेटेस्ट न्यूज़ के साथ निकॉन डी780 कैमरा रिव्यु प्रकाशित किया है। घर बैठे फोटोशॉप सीखें के भाग 5 में इस बार आपको लेयर के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी है। आगे जगह-जगह आयोजित होने वाली वर्कशॉप के बारे में जानकारी दी गयी है और वहाँ के चित्र दिए गए हैं। महान विभूतियों में इस बार हमने एम.वाई. घोरपड़े जी के बारे में आपको अवगत कराया है। फ्लैश फोटोग्राफी को सही से समझने के लिए इस बार हमने बिल्ट इन फ्लैश फोटोग्राफी के बारे में बताया है। फोटोग्राफी लाइट के बिना संभव नहीं है, लाइट को समझने के लिए हमने लाइटिंग से संबंधित जरूरी जानकारी दी है। फूड फोटोग्राफी में इस बार हमने कैमरा एंगल के बारे में जानकारी दी है। मोबाइल फोटोग्राफी में इस बार हमने आपको बताया है कि स्मार्टफोन खरीदते वक्त किन बातों का ध्यान रखें। इस बार हमने पंचम तिमाही फोटो प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा की है, तथा विजेताओं के फोटो के साथ उनके द्वारा खींची हुई फोटो को भी आपके लिए प्रिंट किया है। इस बार मोटिवेशनल लेख में हमने आपको बताने की कोशिश की है कि बड़ी सफलता पाने के लिए क्या करना चाहिए। निकॉन का वेडिंग फिल्म अवार्ड के बारे में आप सभी वीडियोग्राफर साथियों को अवगत करवाया है, इसमें कपल और विडियोग्राफर दोनों को जीतने का अवसर है। वेडिंग फोटोग्राफर साथी इस समय व्यस्त हैं, आप सभी को शुभकामनायें। मिलते हैं अगले अंक में।

### सुरेंद्र सिंह बिष्ट सम्पादक



निकॉन फुलफ्रेम डी780 कैमरे की लॉचिंग मुम्बई में इमेजिंग इलेक्ट्रानिक फेयर (8-10 जनवरी 2020) में निकॉन इंडिया के एमडी सज्जन कुमार एवं वॉलीबुड ऐक्टर प्रवीण दबास और प्रीति झंगियानी द्वारा किया गया।

## अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

OWC ने लॉन्च किया थंडर बे 8, थंडरबे प्लैक्स 8 स्टोरेज सॉल्यूशन थंडरबोल्ट 3 के साथ

OWC ने घोषणा की अपने थंडरबे प्लैक्स 8 और थंडरबे 8 स्टोरेज सॉल्यूशन CES 2020 पर। दोनों ही उत्पाद कंपनी के थंडरबे लाइन के हिस्सा हैं, जो कि देते हैं थंडरबोल्ट 3 कनेक्टिविटी एडवांस स्टोरेज ऑप्शन फोटोग्राफर्स, फिल्ममेकर्स व अन्य प्रोफेशनल्स के लिए जो बड़े तादात में डेटा का काम करते हैं।

ओमनी विजन का नया OV48C मोबाइल सेंसर कैचर करता है 48MP स्टिल, 4K60 वीडियो

नया 48MP सेंसर बना है फ्लैगशिप मोबाइल डिवाइस को ध्यान में रखते हुए। इसमें है 15fps तक 48MP स्टिल कैचर करने की क्षमता और 4K/60 वीडियो इलेक्ट्रॉनिक इमेज स्टेबलाइजेशन के लिए अतिरिक्त जानकारी।

पैनासॉनिक लाया है बिल्ट इन लाइव स्ट्रीमिंग क्षमता का कैमराकॉर्डर

पैनासॉनिक के नए HC-X1500, HC-X2000 व AC-CX10 के मार्क डर को लाइव HD स्ट्रीमिंग के लिए कोई अतिरिक्त सॉफ्टवेयर की जरूरत नहीं है। एक बार वाईफाई से कनेक्ट होने के बाद वह सीधे फेसबुक, यूट्यूब व अन्य किसी डिवाइस से कनेक्ट कर सकते हैं जो RTMP (Real-time Messaging Protocol) का प्रयोग करते हुए लाइव स्ट्रीमिंग सपोर्ट करता हो।

कैनन का EOS-1DX मार्क III लाया है नया सेंसर, ड्युअल पिक्स AF व 5.5K रॉ वीडियो

कैनन ओलंपिक से पहले अपना प्रोफेशनल कैमरा लाना चाहता था। नया EOS-D X मार्क III टोक्यो के समर खेलों से कुछ ही महीने पहले हाजिर है। इसमें 20MP फुल-फ्रेम CMOS सेंसर है जो कि हाईडिटेल लो पास फिल्टर व साथ ही है नया डिजिक एक्स प्रोसेसर।

निकॉन AF-S 120-300mm F2.8E FL ED SR VR

निकॉन का AF-S 120-300mm F2.8E FL ED SR VR कंपनी के एफ मार्क डरोमेप पर पिछले सितंबर से है। अगले महीने से यह ऑर्डर पर डॉलर 9500 में उपलब्ध रहेगी।

निकॉन फुलफ्रेम डी780 कैमरे की लॉचिंग मुम्बई में इमेजिंग इलेक्ट्रानिक फेयर (8-10 जनवरी 2020) में निकॉन इंडिया के एमडी सज्जन कुमार एवं वॉलीबुड ऐक्टर प्रवीण दबास और प्रीति झंगियानी द्वारा किया गया।

इंस्टा 360 वन आर एक सुपर-वर्सेटाइल एक्शन/360 कैमरा सिस्टम है



इंस्टा का 360 का नया कैमरा सिस्टम अनुमति देता है के 4Kएक्शन कैम, एक 360 डिग्री कैम और एक एक्शन कैम 1" सेंसर के साथ चुन सकें अपनी वीडियो की जरूरतों को पूरा करने के लिए।

लिनोवो लाया है 21.5" स्मार्ट फ्रेम वॉल रुफीन डिजिटल इमेज व आर्टवर्क डिस्प्ले के लिए।



लिनोवो लाया है नया प्रोडक्ट डिजिटल इमेज को डिस्प्ले करने के लिए। इसे स्मार्ट फ्रेम कहिए, यह नया 21.5 इंच डिस्प्ले बड़ा पिक्चर फ्रेम जैसा दिखने के लिए बना है।

कैनन ने अपने नए सीआर-एस700आर रोबॉटिक कैमरा सिस्टम का एलान किया।

कैनन का रोबॉटिक कैमरा सिस्टम सीआर-एस700आर देता है पूरा रिमोट ऑपरेशन ईओएस कैमरा व लेंस के लिए। इसमें जूम, पैन, टिल्ट व रोल कंट्रोल के साथ।

प्लेगबल का नया डॉकिंग स्टेशन देता है थंडरबोल्ट / यूएसबी-सी कॉम्पैटिबिलिटी व 100 वॉट पावर डिलिवरी।



फूजीफिल्म अपनी एंट्री-लेवल सरीज में एक्स टी200 को लेकर आया है। इसमें बड़ा टचस्क्रीन है, 4के/30पी वीडियो रिकॉर्डिंग है। साथ ही एक्स टी100 से 80ग्राम कम वजन है।

फूजीफिल्म ने एलान किया अपने एक्ससी 35 एमएम एफ2 प्राइम लेंस का।

एक्स सी वही ऑप्टिकल डिजाइन का प्रयोग करता है जो कि एक्सएफ 35एमएम एफ2 में उपयोग होता था,

लेकिन इसमें अपर्चर नहीं है और कीमत कम करने के लिए प्लास्टिक मार्डंट है।

डीएनपी फोटो ने लॉन्च किया नया डाई सब्लिमेशन प्रिंटर, मोबाइल सपोर्ट व अन्य फीचर्स के साथ।

डीएनपी फोटो लॉन्च किया डाई सब्लिमेशन प्रिंटर। मोबाइल सपोर्ट व अन्य फीचर्स के साथ।

डीएनपी फोटो लॉन्च किया डाई सब्लिमेशन प्रिंटर। मोबाइल सपोर्ट व अन्य फीचर्स के साथ।

डीएनपी फोटो लॉन्च किया डाई सब्लिमेशन प्रिंटर। मोबाइल सपोर्ट व अन्य फीचर्स के साथ।

डीएनपी फोटो लॉन्च किया डाई सब्लिमेशन प्रिंटर। मोबाइल सपोर्ट व अन्य फीचर्स के साथ।

डीएनपी फोटो लॉन्च किया डाई सब्लिमेशन प्रिंटर। मोबाइल सपोर्ट व अन्य फीचर्स के साथ।



वाटरप्रूफ, फ्रीज प्रूफ व क्रश प्रूफ हैं। इसकी कुछ सर्वश्रेष्ठ रीड/राइट स्पीड हाई फ्रेम रेट व 4के वीडियो के लिए भी उपलब्ध हैं।

वी-कॉप्टर फैलकन एक बाई-कॉप्टर ड्रोन है जिसमें 50 मिनट की बैटरी लाइफ है।

फैलकन का बाई-कॉप्टर 50 मिनट तक उड़ सकता है जो कि उसके प्रतिद्वंद्यों से 20 मिनट अधिक है।

टोकिना फुल फ्रेम सोनी कैमरा के लिए 85एमएम एफ1.8 एफई प्राइम

टोकिना की नई एटीएक्स एम मिररलेस लेंस सीरीज में 85एमएम एफ1.8 एफई लेंस नया है। इसमें कई मार्डंट और सेंसर फॉर्मेट के लिए लेंस हैं।

लीका का एम10 मोनोक्रोम ब्लैक एंड व्हाइट रेंजफाइंडर है। लीका लेकर आया है अपना नया ब्लैक एंड व्हाइट कैमरा एम 10 मोनोक्रोम। यह एम 10 पी पर बना है। इसमें नए डिजाइन का 40एमपी सेंसर, टचस्क्रीन एलसीडी भी है।

फूजीफिल्म एक्स - टी200 हल्का व तेज होने के साथ ही देता है 4के/30 पी, इसकी कीमत 800 डॉलर है।



फूजीफिल्म अपनी एंट्री-लेवल सरीज में एक्स टी200 को लेकर आया है। इसमें बड़ा टचस्क्रीन है, 4के/30पी वीडियो रिकॉर्डिंग है। साथ ही एक्स टी100 से 80ग्राम कम वजन है।

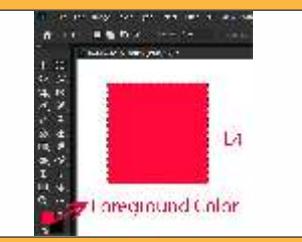
# स्टूडियो न्यूज़

वर्ष : 3 अंक : 8

लखनऊ, बृहस्पतिवार, 6 फरवरी 2020 से 5 मार्च 2020

पृष्ठ : 16

मूल्य : 10 रुपये



फोटोशॉप सीखें - पेज 4



महान विभूतियाँ - पेज 6-7



बिल्ट इन फ्लैश - पेज 8-9



लाइटिंग - पेज 11



कैमरा एंगल - पेज 12

## निकॉन फुलफ्रेम डी-780 : बहुमुखी और रपतार एक साथ



सटीक सब्जेक्ट को पकड़ना 273 प्वाइंट 1 हाइब्रिड एफ के साथ जो कि ऑटोमैटिकली फोकल प्लैन फेज डिटेक्शन एफ या कंट्रास्ट डिटेक्शन के बीच स्विच करता है।

कम रोशनी में भी यह ठीक से प्रदर्शन करता है। डी 780 देता है कम रोशनी एफ डिटेक्शन -5.0 ईवी 2 और -7.0 ईवी 2 पर।

**सर्वश्रेष्ठ :** अपनी रचना को बुलंदियों पर ले जाइए। प्रोफेशनल कार्य के लिए नए डी

780 में है 7एफपीएस तक लगातार शूटिंग स्पीड और 1 / 8000एस की शटर स्पीड। 180 के पिक्सल आरजीबी सेंसर एडवास सीन रिकॉर्डिंग सिस्टम की सटीक जानकारी को बढ़ाने के लिए है। जो कि एफ, ईई और एडब्ल्यूबी का पूरा प्रदर्शन सुधारता है। इलेक्ट्रॉनिक शटर और 12 एफपीएस तक शूट करने की क्षमता साइलेंट शूटिंग की अनुमति देती है बिना शटर रिलीज की आवाज के। एफ मार्टेट लेंस के साथ एक बेहतरीन ऑप्टिक्स रेंज का मजा लीजिए किसी भी शूटिंग परिस्थिति में।

**निकॉन एफएक्स फॉर्मेट डीएसएलआर का नया रूप पेश है।** निकॉन की बेहतरीन डीएसएलआर तकनीक को लेते हुए डी780 आपको देगा बेहतर प्रदर्शन 24.5 मेगापिक्सल और एक्सपीड 6 इमेज प्रोसेसिंग इंजन के साथ। दो ऑटोफोकस सिस्टम आपको देंगे स्पीड और एक्यूरेसी। किसी भी शूटिंग परिस्थिति के लिए एकदम सटीक।

**परफैक्शन :** जो भी परिस्थिति हो, सर्वश्रेष्ठ स्टिल और मूवीज कैप्चर कीजिए। ऑप्टिकल व्यूफ़ॉइंडर शूटिंग के लिए, 51 प्वाइंट एफ सिस्टम के साथ सब्जेक्ट डिटेक्शन व ट्रैकिंग क्षमताओं का लुक्क उठाइए। 51 प्वाइंट एफ सिस्टम निकॉन एफ एक्स फॉर्मेट फ्लैगशिप के जैसा

लाइव व्यू शूटिंग के लिए आइ डिटेक्शन एफ का लुक्क उठाइए। आसान फोकस,

ही यह इमेज हल्की व गाढ़ी इमेज देता है इन कैमरा ओवरले के साथ और फील्ड की गहराई को इमेज में बढ़ाता है फोकस शिफ्ट फीचर के साथ।

**पूरा वीडियो अनुभव :** अपनी कहानियों में जान फूकियें इन कैमरा वीडियो फीचर के साथ, जैसे कि इंटरवल टाइमर और टाइम लैप्स फोटोग्राफी। बदलें ड्रामाटिक लम्हों को स्लो मोशन सीक्वेंस में गभग 120-एफपीएस3 सुपरहाई स्पीड और फुल एचडी में लगातार शूटिंग के बाद। जो फुल फ्रेम 4के यूएचडी वीडियो फुल पिक्सल रीडआउट में खोज रहे हैं उनके लिए डी780 सही पसंद है। 273 प्वाइंट 1 फोकल प्लैन फेज डिटेक्शन एफ और कंस्टमाइजेबल एफ स्पीड 4 वएएफ ट्रैकिंग का लुक्क उठाइए और रचनात्मक शूट कीजिए। यह हाई एंड वीडियो बनाने के लिए है। कैमरे में है 10 बिट एन लॉग, एचडीआर5 मुवी आउटपुट, फुल टाइमकोड व एटोमोस ओपन प्रोटोकॉल सपोर्ट आदि है।

**बेहद विश्वसनीय और मजबूत :** यह उन फोटोग्राफ्स के लिए ठीक है जो हमेशा कहीं न कहीं जाते रहते हैं। डी 780 देता है दो यूएचएस II एसडी कम्प्यूटिवल मेमोरी स्लॉट आपको लंबे समय तक टिकने देता है। इसका वजन 755 ग्राम ही है, कैमरे की बॉडी में सुविधाजनक ग्रिप है, ऑपरेशन लेआउट है जिससे इसे इस्तेमाल करना व अपने साथ हर जगह ले जाना है और भी आसान।

यह बेहद मजबूत है। मैग्नीजियम अलॉय इसे बाहर से मजबूत बनाता है और धूल व पानी से फर्क भी नहीं पड़ने देता। बेहद आत्मविश्वास और सहृदयित से शूट



कीजिए क्योंकि इसकी लंबी चलने वाली बैटरी देनी है 2260 शॉट प्रति शॉट।

**जुड़े रहिए :** शूट कीजिए और अपने क्रिएशन आराम से शेयर भी कीजिए। इसमें बिल्ट इन वाई फाई फंक्शन से आप अपने कम्प्यूटर व स्मार्ट डिवाइस से जुड़े रह सकते हैं। स्नैपब्रिज भी आपको सुविधा देता है रो इमेज को स्मार्ट डिवाइस पर ट्रांसफर करने का। इमेज व वीडियो के लिए प्लेबैक का विकल्प भी है जब थोड़ी दूरी पर कैमरा टीवी से कनेक्ट हो।

**कीमत :** (MRP)

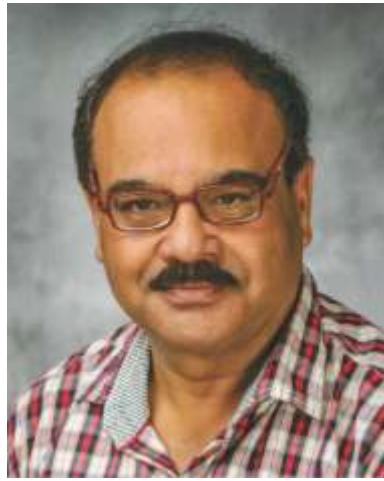
बॉडी : ₹ 1,98,995/-

बॉडी + 24-120 mm VR लेंस के साथ :

₹ 2,42,495/-

(64GB Class 10 SD Card के साथ)





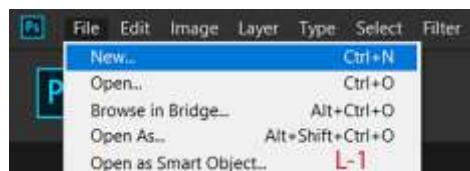
राजेन्द्र प्रसाद

ARPS (LONDON), FICS (USA)  
HON FSAP (INDIA), ASIIPC (INDIA)डिजिटल इमेजिंग डिवीजन इंडिया इंटरनेशनल  
फोटोग्राफिक काउंसिल नई दिल्ली के अध्यक्ष  
Blog - <https://digicreation.blogspot.com/>

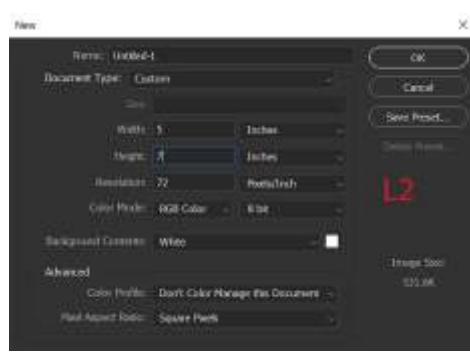
(भाग-5)

## लेयर

बिगिनर्स फोटोशॉप ट्यूटोरियल्स के शुरुआत में लेयर के ऊपर ट्यूटोरियल देखकर हो सकता है आपको आश्चर्य हो क्योंकि ज्यादातर लोग यह सोचते हैं कि लेयर्स केवल प्रोफेशनल एडिटर यूज़ करते हैं और इसका इस्तेमाल बहुत ही मुश्किल है। लेकिन ये दोनों ही धारणायें गलत हैं। आज भी बहुत से प्रोफेशनल एडिटर्स लेयर्स का उपयोग नहीं करते पर यह गलत है। वास्तव में फोटोशॉप में कुछ भी लेयर्स के बिना करना नहीं चाहिए। लेयर्स इतने महत्वपूर्ण हैं कि फोटोशॉप के मीनू बार में लेयर का अलग मीनू है और इसका एक अलग पैनल भी है। आइये देखें लेयर के बिना काम करने में क्या इसके लिए पहले एक नया डॉक्यूमेंट बनाये। फोटोशॉप के मीनू बार में फाइल मीनू खोलें, न्यू पर क्लिक करें या इसका शॉर्टकट **CTRL+N** इस्तेमाल करें। इससे एक नया डायलॉग बॉक्स खुल जायेगा। यहाँ **WIDTH** में 5 इंच, **HIGHT** में 7 इंच और **RESOLUTION** 72 रखें। बैकग्रॉउंड कलर को **WHITE** ही रहने दें और इसके बाद **OK** पर क्लिक करें। आपके स्क्रीन पर एक नया डॉक्यूमेंट खुल जायेगा।

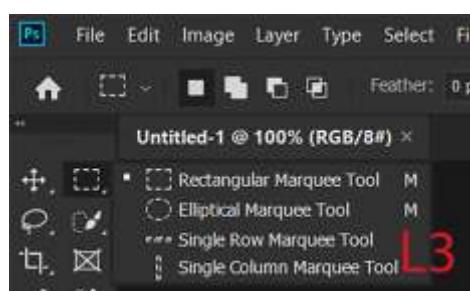


L-1



L-2

अब टूल्स पैनल से **MARQUEE TOOL** चुनें, यह टूल बार में सबसे ऊपर दूसरा टूल है। इसका **SHORTCUT** - M है इसलिए कीबोर्ड पर M टाइप करने से भी यह खुल जायेगा। यह एक सिलेक्शन टूल है।



L-3

# घर बैठे फोटोशॉप सीखें

इस टूल से एक रेक्टेंगल बनाने के लिए डॉक्यूमेंट के ऊपरी भाग में माउस से विलक करें **SHIFT** बटन दाब लें और लेपट माउस बटन को दाबे रहते हुए **DIAGONALLY** नीचे खींच कर थोड़ी दूर पर छोड़ दें, इससे एक वर्गाकार एरिया सेलेक्ट हो जायेगा। आमतौर पर मार्की टूल से रेक्टेंगल बनाया जाता है पर अगर रेक्टेंगल बनाते समय **SHIFT** बटन को दाबे रखा जाये तो रेक्टेंगल के स्थान पर स्क्वायर बनेगा। आपको इस स्क्वायर के चारों ओर छोटे-छोटे डॉट्स घूमते दिखाई

टूल को चुने, **SHIFT** बटन दबे रहे और माउस से ड्रैग करें इससे एक सर्कुलर एरिया सेलेक्ट हो जायेगा। अब इस सिलेक्शन में हरा रंग उसी तरह भर दें जैसा कि आपने रेक्टेंगल में भरा था।

अब हमारे द्वारा बनाए गए डॉक्यूमेंट में दो आकार बने हुए हैं। मान लें आपको इनमें से किसी एक की या दोनों की जगह बदलनी है। इसके लिए टूल बॉक्स में सबसे ऊपर बाए तरफ स्थित मूव टूल को चुनें। इसके लिए आप इसका शॉर्टकट V भी दबा सकते हैं। अब इस टूल की मदद से स्क्वायर अथवा सर्किल का स्थान बदलने की कोशिश करें। पर ऐसा करने में आप सफल नहीं हो पाएंगे क्योंकि अब स्क्वायर, सर्किल और वाइट डॉक्यूमेंट मिलकर एक हो चुके हैं आप उन्हें अलग नहीं कर सकते।

फोटोशॉप में कोई एक दूसरा तरीका जरूर होगा जिससे हम बनाते समय इन्हें अलग-अलग रख सकते हैं कि जरूरत पड़ने पर हम इन्हें मनमुताविक खिसकाकर अपनी कम्पोजीशन में बदलाव कर सकें। इसका समाधान है लेयर का उपयोग करना। आइए इसी काम को लेयर का इस्तेमाल करते हुए करें। इसके लिए पहले की तरह एक खाली डॉक्यूमेंट बनाये। मैं यहाँ डॉक्यूमेंट, स्क्वायर या सर्किल बनाने का तरीका नहीं बतला रहा हूँ क्योंकि ऊपर आप इसे बनाना सीख चुके हैं। डॉक्यूमेंट बनाने के बाद विडो मीनू में जाकर लेयर पैनल को क्लिक कर उसे खोल लें। लेयर खोलने के लिए आप इसका शॉर्टकट F7 भी इस्तेमाल कर सकते हैं। लेयर पैनल खुल जायेगा जैसा कि आप स्क्रीनशॉट में देख रहे हैं और उसमें आपको एक लेयर बना दिखाइ देगा जिसपर **Background** लिखा होगा। सबसे पहले बनाए गए लेयर को फोटोशॉप अपने आप बैकग्राउंड का नाम दे देता है। आइये इसके ऊपर एक और लेयर बनाये। इसके लिए लेयर पैनल में नीचे दाईं ओर से दूसरे आइकॉन पर क्लिक करें। नयी लेयर बनाने का शॉर्टकट **SHIFT+CTRL+N** है आप इसका इस्तेमाल करके भी नया लेयर बना सकते हैं। लेयर पैनल में आप देखेंगे की बैकग्राउंड लेयर के ऊपर एक नया लेयर बन गया जिसे फोटोशॉप ने खुद ही **Layer-1** कहा है।



देंगे इन्हें **Marching ants** कहा जाता है यह किसी सिलेक्टेड एरिया का दर्शने का फोटोशॉप का अपना तरीका है।

आइए इस स्क्वायर में रंग भरते हैं। इसके लिए आप टूल बॉक्स के नीचे बने फोरेग्रॉउंड कलर स्क्वायर को डबल विलक करे इससे आपके सामने कलर पिकर पैनल खुल जायेगा जैसा आप स्क्रीनशॉट में देख रहे हैं। मनपसंद कलर को चुनने के लिए दायरी तरफ के वर्टीकल कलर स्लाइडर को ऊपर नीचे कर एक कलर चुने। उसके बाद बाईं तरफ के स्क्वायर में उस कलर के गहरे अथवा हल्के सेड को विलक कर उसे चुन ले। कलर पैनल के ऊपर दायरी ओर स्थित छोटे रेक्टेंगल में आपको अपना चुना कलर दिखाई देगा। मैंने यहाँ लाल रंग चुना है अब **OK** बटन दबाकर कलर पिकर पैनल को बंद कर दें। आप देखेंगे की फोरेग्रॉउंड कलर उसी रंग का हो गया है जिसे आपने कलर पिकर में चुना था। अब मार्की टूल से बने सिलेक्शन में कलर भरने के लिए एक शॉर्टकट **ALT+DELETE** का इस्तेमाल करें आप देखेंगे।



की आपका सिलेक्शन लाल रंग से भर गया है।

अभी तक आपके द्वारा बनाये गए स्क्वायर के चारों तरफ मार्चिंग एंट्स दिख रहे होंगे यह दर्शा रहा है कि यह एरिया अभी तक सिलेक्टेड है। पर अब इस सिलेक्शन की कोई जरूरत नहीं इसलिए इसे हटाने के लिए सेलेक्ट मीनू खोले और डिसेलेक्ट को दबा दे या डेसेलेक्ट का शॉर्टकट **CTRL+D** भी आप दबा सकते हैं। इससे सिलेक्शन हट जायेगा।

अब इसी डॉक्यूमेंट में एक सर्किल बनाये। इसके लिए रेक्टेंगुलर मार्की टूल के निचे एलिप्टिकल मार्की

टूल का नाम दे देता है।

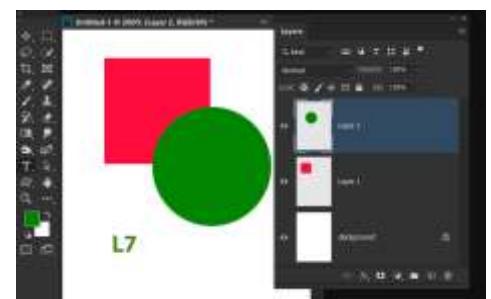
अगर आप लेयर पैनल में लेयर-1 को ध्यान से देखेंगे तो आपको उसपर चैकरबोर्ड पैटर्न बना दिखाइ देगा। जहाँ भी खाली जगह रहती है फोटोशॉप उसे चैकरबोर्ड पैटर्न द्वारा दर्शाता है दूसरे शब्दों में कहें तो फोटोशॉप हमें बतला रहा है कि लेयर-1 अभी खाली है। यहाँ पर एक बात पर और ध्यान दें कि पैनल में लेयर 1 ब्लू रंग का दिखाइ दे रहा है इसका मतलब है कि यह लेयर ही अभी एक्टिव है और आप जो भी काम करेंगे वह इसी लेयर पर होगा बैकग्राउंड लेयर पर नहीं।

पहले की ही तरह लेयर 1 पर एक स्क्वायर बनायें और उसमें लाल रंग भर दें। अब एक बार फिर नई लेयर आइकॉन अथवा उसके शॉर्टकट के लिए लेयर बैकग्राउंड लेयर पर नहीं।

अब आप लेयर पैनल के ऊपर आपको एक **OPACITY** स्लाइडर दिखाइ देगा। जैसे-जैसे आप **OPACITY** काम करेंगे उस लेयर के कंटेंट पारदर्शी होते चले जायेंगे यहाँ तक की 0 **OPACITY** पर उनका दिखना भी बंद हो जायेगा। इसी बटन को विलक करके आपको उस लेयर के कंटेंट पर उसका प्रभाव पड़ता है।

अगर आप किसी लेयर को डिलीट करना चाहते हैं तो उसे सेलेक्ट करे और लेपट माउस बटन को दाढ़े रहते हुए उसे खींच कर **Delete Layer button** में डाल दे वह लेयर डिलीट हो जाएगी। इसे करके अभी देखें। लेयर के बारे में अभी बहुत कुछ जानना बाकी है पर अभी आपके लिए इतना जानना ही काफी है अन्यथा आप कन्फूज हो जायेंगे। समय आने पर धीरे-धीरे आपको उनके बारे में बतलाया जायेगा।

इस ट्यूटोरियल में आपने मार्की टूल, फोरग्राउंड कलर, कलर पिकर पैनल के बारे में सीखा, उनका बार-बार अभ्यास करें। इस अंक में इतना ही, अगले अंक में फिर मिलेंगे तब तक के लिए अलविदा।



उसे हरे रंग से भर दें।

अब टूल मीनू से अथवा शॉर्टकट V दबाकर मूव टूल सेलेक्ट करे। लेयर मीनू में लेयर 1 पर विलक कर उसे एक्टिव कर ले और मूव टूल का इस्तेमाल कर माउस की मदद से स्क्वायर अथवा उधर-उधर खिसकाने की कोशिश करें। आप पाएंगे की अब आप ऐसा कर सकते हैं। इसी तरह लेयर 2 पर विलक करके उसे एक्टिव करें और मूव टूल से सर्किल को इधर-उधर खिसकाने की कोशिश करें। आप पाएंगे की अप ऐसा कर सकते हैं और सर्किल को खिसकाने से स्क्वायर नहीं खिसकता यानि दोनों अलग-अलग हैं। अब आपको पता चल गया होगा कि लेयर हमारे काम को कितना लचीला बना देता है।

लेयर में आप देख रहे हैं कि सर्किल स्क्वायर के ऊपर है। पर मान ले आप चाहते हैं कि स्क्वायर सर्किल से ऊपर रहता तो अच्छा होता। चूंकि आप लेयर पर काम कर रहे हैं। इसके लिए लेयर 1 पर विलक करें और लेपट माउस बटन को दाढ़े रहते हुए लेयर 1 को लेयर 2 के ऊपर कर दें। आप देखेंगे की लेयर 1 बाकी रहता है। आप मूव टूल से स्क्वायर को खिसकाकर देखेंगे। यह सब लेयर के कारण ही संभव हुआ।

आप अपने डॉक्यूमेंट में केवल स्क्वायर अथवा सर्किल देखना चाहते हैं पर उस लेयर को डिलीट भी नहीं करना चाहते तो ऐसा भी आप कर सकते हैं। किसी भी लेयर प्रीव्यू थंबनेल के बारी तरफ आपको एक EYE आइकॉन दिखाई देगा इसे विलक करें इससे आँख दिखनी बंद हो जाएगी और उस लेयर में जो भी है अब आपको डॉक्यूमेंट में नहीं दिखेगा। इसी बटन को लेयर खोलने के बाद आपको एक आँख को फिर स

## ऑल इंडिया फोटोग्राफर्स फेडरेशन के पदाधिकारियों का चयन



10 जनवरी को मुम्बई में ऑल इंडिया फोटोग्राफर्स फेडरेशन की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें पंजाब, उड़ीसा, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की एसोसिएशन के अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में ऑल इंडिया फोटोग्राफर्स फेडरेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन किया गया। पंजाब के गुरनाम सिंह शेरपुर को अध्यक्ष, बिहार के राकेश तिवारी को महासचिव, झारखण्ड के सुब्रत कुमार धोपाल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, हरियाणा के वीरभान बाबा को उपाध्यक्ष, उड़ीसा के चितरंजन पात्रा को कोषाध्यक्ष, उड़ीसा के सेयद जावेद अहमद एवं झारखण्ड के अभिमन्यु कुमार को संयुक्त सचिव, बिहार के विष्णु शंकर को उप कोषाध्यक्ष, महाराष्ट्र के गणेश घरत को मीडिया प्रभारी, उत्तर प्रदेश के सुरेन्द्र सिंह बिष्ट एवं वेस्ट बंगाल के सबीर समतो को सहायक मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। यह फेडरेशन पूरे भारत की प्रदेश स्तरीय एसोसिएशन को साथ लेकर उनके हितों के लिए केन्द्र स्तर पर संघर्ष करने के साथ ही फोटोग्राफर्स की रक्षा के लिए अहम रोल नियायेंगी। बैठक में इनके अतिरिक्त ओम प्रकाश (बिहार), अशोक केसरी (झारखण्ड), अभिजीत बनर्जी (पश्चिम बंगाल), दिनेश वर्मा (उत्तर प्रदेश) एवं सतीश कुमार (हरियाणा) भी सम्मिलित हुए।

## वर्कशॉप एवं गोष्ठियाँ



कैनन वर्कशॉप, बुलन्दशहर (11 जनवरी 2020) पैनासोनिक वर्कशॉप, रायबरेली (11 जनवरी 2020)

पैनासोनिक वर्कशॉप, उन्नाव (10 जनवरी 2020)



पैनासोनिक वर्कशॉप, हरदोई (12 जनवरी 2020)



निकॉन वर्कशॉप, लखीमपुर (14 जनवरी 2020)

सोनी वर्कशॉप, लखनऊ (14 जनवरी 2020)



फोटोग्राफर विचार गोष्ठी, तिलोई (रायबरेली) (11 जनवरी 2020)



फोटोग्राफी कार्यशाला 'सीखें हम साथ-साथ', वाराणसी (16 जनवरी 2020)



तिलोई ब्लाक के हनुमानगढ़ी मंदिर प्रांगण में फोटोग्राफर विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें अमेठी जनपद के अलावा पड़ोसी जनपद रायबरेली व बाराबंकी जनपद से हुए फोटोग्राफरों ने अपने विचार व्यक्त किये एवं फोटोग्राफी व्यवसाय में आ रही समस्याओं और आधुनिक तकनीक से फोटोशूट की जानकारी पर विचार विमर्श किया गया।

'बनारस कैमरा सोसाइटी' और उत्तर प्रदेश फोटोग्राफर एसोसिएशन के द्वारा एक फोटोग्राफी कार्यशाला 'सीखें हम साथ-साथ' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में Panasonic के मैट्टर श्री हितेश विज द्वारा मिरर लेस कैमरों की तकनीकी जानकारी साझा की गई एवं भविष्य में आने वाले कैमरों के बारे में अवगत कराया गया।

## महान विभूतियाँ



एम.वाई. घोरपडे

मुरारॉओ यशवंतराओ घोरपडे को लोग एम.वाई. घोरपडे के नाम से ज्यादा जानते थे। कर्नाटक के बेलरी में स्थित संदूर के रॉयल परिवार में घोरपडे का जन्म हुआ था। भारत की आजादी के बाद उनके पिता ने अपना राज्य भारत में मिला दिया था। मुरारॉव ने राजनीति में उत्तर कर बतौर नेता, राजनीतिज्ञ अपने राज्य की सेवा की।

संदूर राज्य के भूतपूर्व शासक के बेटे घोरपडे ने कैम्ब्रिज से अर्थशास्त्र में पोस्ट ग्रेजुएट किया था। संदूर मैंगनीज़ व आयरन और के चैयरमैन-एमेरिटस एम.वाई. घोरपडे संदूर से सात बार एमएलए चुने गए, पूरे अभिमान के साथ वित्त और ग्रामीण विकास मंत्रालय संभाला। 1986 के उपचुनाव में कर्नाटक के रायचूर से वह संसद के सदस्य चुने गए लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि वह एक महान वन्यजीव फोटोग्राफर भी थे।

एक ओर जहाँ बेलारी में नेता व खदान मालिक अयस्क (OAR) भूमि का एक एक कतरा लेने के लिए लड़-भिड़ रहे थे, वहीं दूसरी ओर घोरपडे ने अपनी विरासत की 150 एकड़ ज़मीन प्रकृति संरक्षण के लिए दान दे दी।

# मुरारॉओ यशवंतराओ घोरपडे

MFIAP, FRPS

7 दिसंबर 1931-29 अक्टूबर 2011



संदूर मैंगनीज व आयरन और लिमिटेड जिसके बह चेयरमैन थे, का माइनिंग ऑपरेशन करीब 2000 हेक्टेयर में फैला था। कंपनी भारत की दूसरी सबसे बड़ी और माइनर थी और इसका फेरो अलॉय प्लांट भी है जो कि 1968 में बना था। घोरपडे ने SMIORE को पूरी जी जान लगाकर विकसित किया और मैंगनीज़ और, फेरो अलॉय व इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में काम करने वाली भारत की बैहतरीन कंपनियों में इसका नाम शुमार हुआ।

घोरपडे जी की

शुरूआती पढ़ाई संदूर में ही हुई। उन्होंने सन 1950 में बैंगलॉर में सेंट जोसेफ कॉलेज से ग्रैजुएशन किया। इस कॉलेज में वह अपने समय में यूनियन के प्रेसिडेंट थे और वाद-विवाद के बेहद शौकीन भी। सन 1952 में कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र में उन्होंने परास्नातक किया। यहाँ वे मजलिस के प्रेसिडेंट थे, मजलिस डिवेटिंग सोसाइटी थी जिसके सदस्य सुभाष चंद्र बोस, अरोविंदो घोष और जवाहर लाल नेहरू थे।

वह शिक्षा व मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में हमेशा से ही जुड़े रहे थे। कई सालों तक कर्नाटक के ग्रामीण विकास विभाग में मंत्री, व शिवापुर शिक्षा समिति के संरक्षक रहे थे।

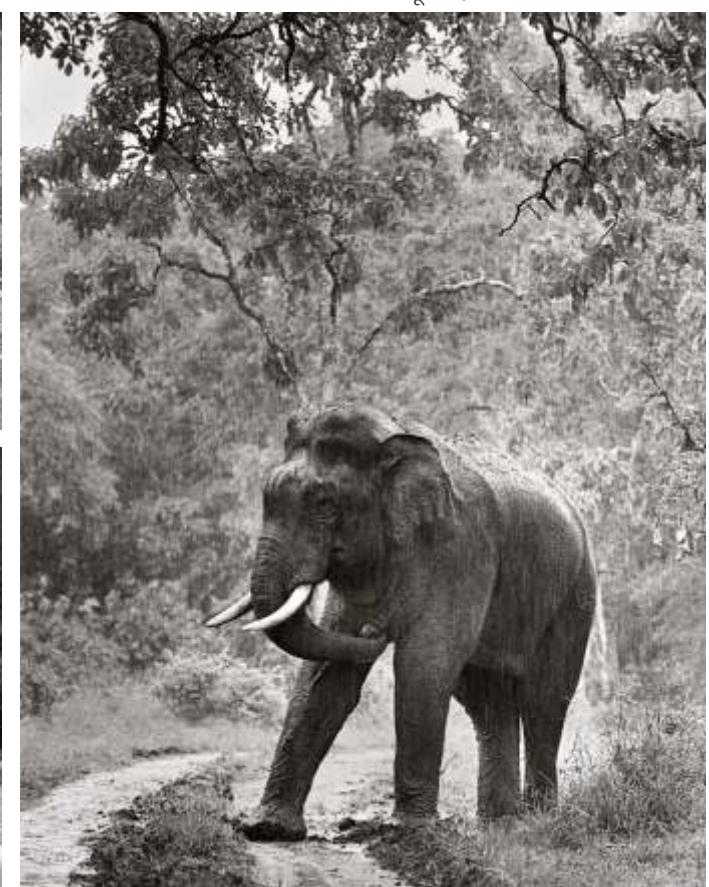
संदूर में सुखद बीत रहे बालपन में घोरपडे को प्रकृति के बीच समय व्यतीय करना अच्छा लगता था। वह शाम को

अक्सर उन पहाड़ों पर निकल जाते थे जहाँ चौसिंहा, तेंदुए इत्यादि रहते थे, वहीं से वह बांदीपुर, नागरहोल, कान्हा, गिर, काजीरंगा, सवाई माधोपुर, बांधवगढ़ व भरतपुर सैंचुरी में निकल जाते थे। सभवतः इन्हीं कारणों से वह आगे जा कर वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर बने।

वह आगे जाकर कांग्रेस पार्टी के सदस्य बने और कर्नाटक के वित्त मंत्री 1972 से 1977 तक बने रहे। लेकिन उनकी दिलचर्सी फोटोग्राफी ही थी।

अर्थशास्त्र के अलावा प्लानिंग, एजुकेशन, इंडस्ट्री, कृषि व ग्रामीण विकास और फोटोग्राफी घोरपडे की मुख्य पसंद थीं। उन्होंने कई जर्नल्स के लिए लेख भी लिखे।

एकदम अनूठी प्रतिभा के धनी घोरपडे वाइल्ड- लाइफ फोटोग्राफी की दुनिया में बेहद मशहूर थे। उनकी तर्सीयें अपनी अलग





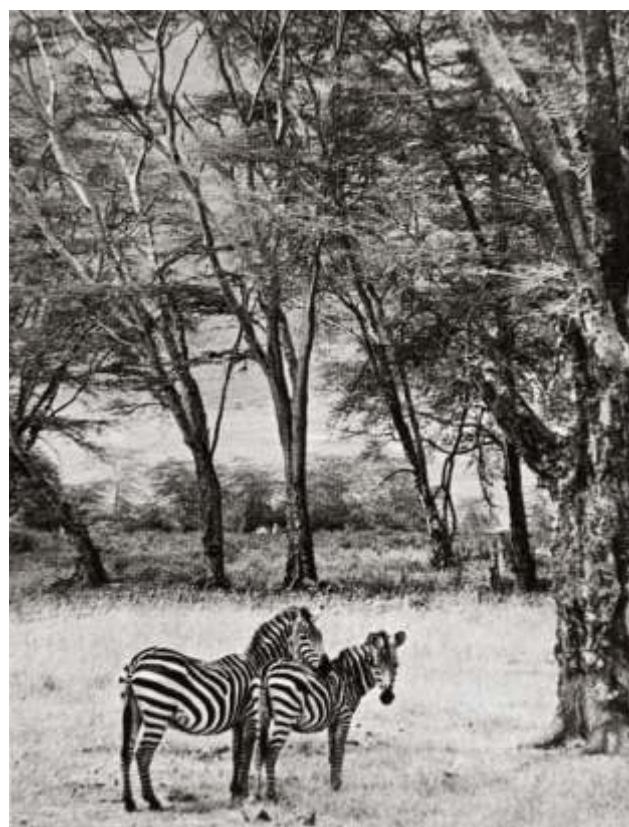
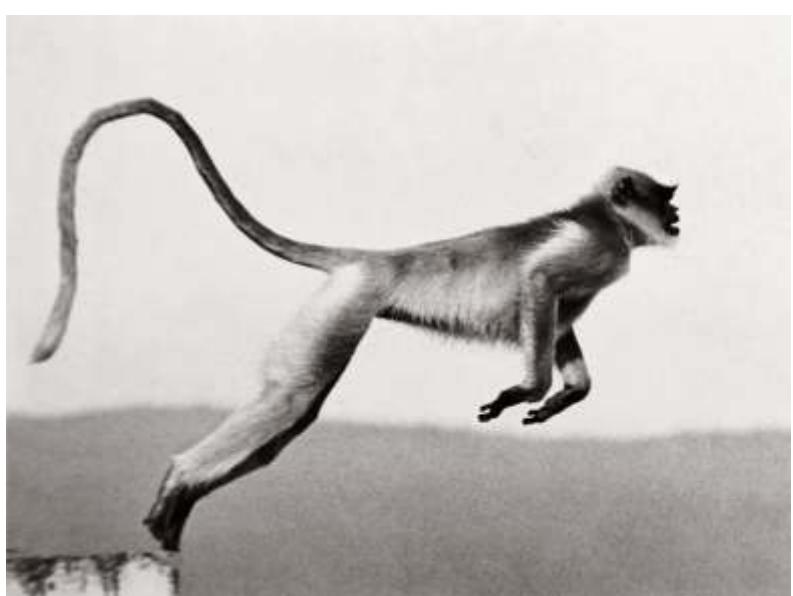
ही भाषा बोलती प्रतीत होती हैं। उनकी तस्वीरों में बेहद खूबसूरती और सालों का अनुभव झलकता है।

उनके शब्दों में, "मैंने वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी 20 से ज्यादा सालों तक की है और अब यह मेरे दिल को सुकून और संतुष्टि देने वाला शौक बन गई है। यह मुझे प्रकृति के करीब तो ले ही जाती है साथ ही कुछ अनमोल पलों को संजो कर रखने की भी सहूलियत देती है। मैंने 60 के दशक की शुरुआत में बर्ड फोटोग्राफी चुनी और भारत व अफ्रीका में वाइल्ड लाइफ सैंचुरी में वन्यजीवों की फोटोग्राफ लेने पहुंच गया।

इस एकिटविटी ने मुझे अद्भुत आनंद दिया, खुशी व सुकून दिया। मैं अपनी तस्वीरों के लिए ब्लैक एंड व्हाइट चुनता हूँ क्योंकि यह आर्टिस्टिक भाव देता है।"

1985 में उन्हें फोटोग्राफी के लिए कर्नाटक राज्योत्सव अवॉर्ड व ललित कला अकादमी अवॉर्ड 1994 में मिला था। 2009 में एक हॉनररी डॉक्ट्रेट मैसूर विश्वविद्यालय से मिली।

उनके द्वारा लिखी गई किताबें - विंगेट फ्रेंड्स (2005), डाउन मेमोरी लेन (उनकी आत्मकथा), डेवलप्ड इथॉस एंड एक्सपीरियंस द ग्रैंड रेसिस्टेंस (1991), व



परमआचार्य ऑफ कांची (1998)। उनकी सबसे प्रसिद्ध किताब 'सनलाइट एंड शैडो' (यह एक भारतीय वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर्स डायरी है) इंग्लैंड के विक्टर गोलैंज द्वारा 1983 में, इसमें श्रीमती इंदिरा गांधी का फॉरवर्ड नोट लिखा गया है। ब्लैक एंड व्हाइट की यह वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी की किताब अपने आप में एतिहासिक है।

मुझे याद है, कुछ वर्ष पहले मैं अपने ऑफिस के पुस्तकाल में नई किताबें व जर्नल देख रहा था, जब मुझे यह किताब लाइट एंड शैड दिखाई दी। मुझे आज भी याद है कि उसे देखकर मैंने खुद से कहा कि क्या खूबसूरत है ये। उसके पीछे कवर पर "टर्स्कन इन द रेन" की तस्वीर थी जिसमें एक शारारती आंखों वाला हाथी है। मैं तुरंत ही इस तस्वीर पर दिल लुटा बैठा। मुझे यह तो नहीं याद है कि कितनी देर मैं इस तस्वीर को देखता रहा लेकिन वार्कइ उसकी खूबसूरती पर मैं फिदा हो गया था। बाद मैं मुझे पता चला कि इस तस्वीर के लिए 1977 में उन्हें ऑस्ट्रेलियन न्यूजियम अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है।

वर्ष 1976 में उन्हें कई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान जिनमें Excellence Federation International De-Art Photographic (EFIAP) और ब्रिटेन की रॉयल फोटोग्राफिक सासायटी से फेलोशिप (FRPS) भी मिला। जून 1983 में वह ऐसे पहले वन्यजीव फोटोग्राफर बने जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय अवॉर्ड Master Federation International De L'Art Photographe (MFIAP) से नवाजा गया।

मैं आशीष धीर जो कि मेरे मित्र श्री पीसी धीर के बेटे हैं, के योगदान का जिक्र अवश्य करना चाहूंगा। आशीष ने मुझे एम.वाई. घोरपड़े साहब की कई तस्वीरें स्टूडियो न्यूज के इस अंक के लिये उपलब्ध कराई।

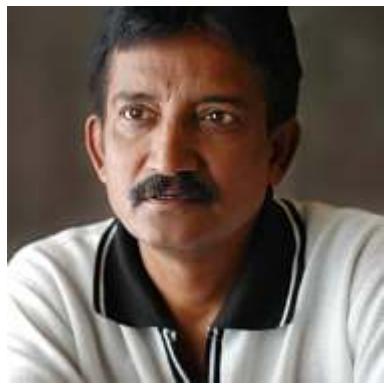
29 अक्टूबर 2011 को इस महान वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर ने इस नश्वर संसार से सदैव के लिये विदा ले ली, और दुनिया ने एक चमकदार सितारा सदैव के लिये खो दिया।



## अनिल रिसाल सिंह

MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGCC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)

पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी



**मुकेश श्रीवास्तव**  
FIE, FFIP, EFIAP

इंजीनियर, फोटोग्राफर, लेखक,  
पूर्व निदेशक (ई), भारत सरकार  
निदेशक, सेण्टर फॉर विजुअल आर्ट्स  
निकॉन मेण्टर (2015-2017)  
एवं अध्यक्ष, धनबाद कैमरा क्लब

स्टूडियो न्यूज़ के जून 2019 में फलैश के इस्तेमाल पर निकले लेख में आपने बिल्ट इन फलैश और एक्स्टर्नल फलैश के बारे में संक्षेप में पढ़ा होगा। इस लेख में आपको विस्तार में बिल्ट इन फलैश के इस्तेमाल के बारे में पढ़ने में मिलेगा ताकि आप अच्छी तर्जीरें ले सकें।

#### बिल्ट इन फलैश के लाभः

हर फोटोग्राफर महंगा एक्स्टर्नल फलैश नहीं खरीद सकते। अगर हम बिल्ट इन फलैश में मास्टरी करते हैं तो विना महंगा एक्स्टर्नल फलैश लिए अच्छे नतीजे पा सकता है। हम प्रैविक्टकल जीवन में इसे आजमाएंगे, असर देखेंगे और किसी नतीजे पहुंचेंगे।

फलैश फोटोग्राफी में सबसे महत्वपूर्ण तत्वः

#### गाइड नंबरः

आपको अपने कैमरा के बिल्ट इन फलैश के गाइड नंबर की महत्वा पता होना जरूरी है। यह आपको फुल पावर मोड में फलैश के वर्किंग रेंज का अंदाजा देगा। आप आईएसओ बढ़ाकर या अपर्चर वैल्यू बढ़ाकर अथवा फलैश कंपनशेसन बढ़ाकर बिल्ट इन फलैश की रोशनी बढ़ा सकते हैं। लेकिन गाइड नम्बर की सीमा तक ही।

गाइड नंबर ( $m/ft$  ISO 100 पर) दर्शाता है फलैश द्वारा पैदा की गई लाइट। जितना अधिक नंबर होगा उतना ही फलैश आउटपुट ज्यादा होगा।

गाइड नंबर (जीएन)= शूटिंग दूरी  $\times$  अपर्चर / आईएसओ सेंसिटिविटी फैक्टर।

बिल्ट इन फलैश के लिए यह करीब  $12/39$  ( $m/ft$ ) आईएसओ 100 एवं 20 डिग्री सेल्सियस पर होता है। यह कैमरे के माडल पर निर्भर करता है। बिल्ट इन फलैश की रेंज जानने के लिए Fig. 1 देखिए।

#### Aperture, Sensitivity, and Flash Range

The range of the built-in flash varies with sensitivity (ISO equivalency) and aperture.

Aperture at ISO equivalent of							Range	
100	200	400	800	1600	3200	6400	m	ft
1.4	2	2.8	4	5.6	8	11	0.7-8.5	2ft 4in.-27ft 11in.
2	2.8	4	5.6	8	11	16	0.6-6.0	2ft 0in.-19ft 8in.
2.8	4	5.6	8	11	16	22	0.6-4.2	2ft 0in.-13ft 9in.
4	5.6	8	11	16	22	32	0.6-3.0	2ft 0in.- 9ft 10in.
5.6	8	11	16	22	32	—	0.6-2.1	2ft 0in.- 6ft 11in.
8	11	16	22	32	—	—	0.6-1.5	2ft 0in.- 4ft 11in.
11	16	22	32	—	—	—	0.6-1.1	2ft 0in.- 3ft 7in.
16	22	32	—	—	—	—	0.6-0.8	2ft 0in.- 2ft 7in.

The built-in flash has a minimum range of 0.6 m (2 ft).

In exposure mode P, the maximum aperture (minimum f-number) is limited according to ISO sensitivity, as shown below:

100	200	400	800	1600	3200	6400
2.8	3.5	4	5	5.6	7.1	8

If the maximum aperture of the lens is smaller than given above, the maximum value for aperture will be the maximum aperture of the lens.

Fig. 1

कैमरा के अलग अलग शूटिंग मोड में बिल्ट इन फंक्शन को समझना भी जरूरी है। देखिए Fig. 2

#### बिल्ट इन फलैश को इस्तेमाल करना- आईटीटीएल मोडः

टीटीएल का इस्तेमाल सामान्य रूप से थू द लेंस आटोमैटिक मीटरिंग करने के लिए होता है। आईटीटीएल की बात करें तो इसमें मिरर बढ़ने से उपरोक्त फलैश से कम पॉवर फ्रीफलैश है।

हम स्पॉट और मैट्रिक्स या सेंटर वेटेड मीटरिंग मोड में फर्क देखेंगे बिल्ट इन फलैश के आईटीटीएल फीचर का इस्तेमाल करते हुए।

आईटीटीएल मैट्रिक्स या सेंटर वेटेड मीटरिंग के साथः

Shutter Speeds and Apertures Available with the Built-in Flash		
Mode	Shutter speed	Aperture
P	Set automatically by camera (1/250 s-1/60 s) <sup>1,2</sup>	Set automatically by camera
S	Value selected by user (1/250 s-30 s) <sup>2</sup>	
A	Set automatically by camera (1/250 s-1/60 s) <sup>1,2</sup>	Value selected by user <sup>3</sup>
M	Value selected by user (1/250 s-30 s, bu t b) <sup>2</sup>	

1 Shutter speed may be set as slow as 30 s in slow sync, slow rear-curtain sync, and slow sync with red-eye reduction flash modes.  
2 Speeds as fast as 1/8,000 s are available with optional flash units when 1/320 s (Auto FP) or 1/250 s (Auto FP) is selected for Custom Setting e1  
3 Flash range varies with aperture and ISO sensitivity. Consult table of flash ranges when setting aperture in A and M modes.

Fig. 2

अगर हम मैट्रिक्स अथवा सेंटर वेटेड मीटरिंग का चयन करते हैं तो आईटीटीएल फिल फलैश का काम करता है। देखिए Fig. 3 जो कि मीटरिंग मैट्रिक्स में टीटीएल फिलफलैश प्रयोग करते हुए विलक किया गया था।



Fig. 3

#### आईटीटीएल स्पॉट मीटरिंग के साथ

स्टैंडर्ड आईटीटीएल फलैश डिजिटल एसएलआर ऑटोमैटिकली एक्टिवेट हो जाता है जब स्पॉट मीटरिंग चुनी जाती है। Fig. 4 देखिए जो कि सामान्य टीटीएल फलैश इन स्पॉट मीटरिंग से विलक किया गया है।



Fig. 4

बिल्ट इन फलैश की विभिन्न सेटिंग्स के फंक्शन समझना बहुत जरूरी है, जैसे कि फलैश मोड और फलैश कंट्रोल मोड।

फलैश मोडः कैमरा निम्न फलैश मोड सेट करता है:

फ्रंट कर्टन सिंक : यह मोड अधिकतर परिस्थितियों के लिए सही है। प्रोग्राम्स ऑटो व अपर्चर प्रियारिटी ऑटो मोड में, शटर स्पीड 1/250 से 1/60 एस के बीच में खुद ही सेट हो जाएगी। Fig. 5 - एफ/8, 1/60 एस और आईएसओ 200 के साथ अपर्चर प्रियारिटी कैमरा मोड में पोट्रोट कैचर की थी।

आप फलैश कंपनसेशन का इस्तेमाल कर सकते हैं रोशनी की मात्रा बढ़ाने के लिए। उसी सेटिंग के लिए मैंने +0.7 फलैश कंपनसेशन का प्रयोग किया था। Fig. 6 देखें।



Fig. 5



Fig. 6

#### रेड-आइ हटाना

रेड आइ रिडक्शन लाइट को मुख्य फलैश के एक सेकेंड पहले जलाती है। यह मोड मूविं सब्जेक्ट के लिए ठीक नहीं है और न ही उन परिस्थितियों के लिए जहाँ बहुत जल्दी शटर स्पीड चाहिए। जब रेड आइ रिडक्शन लैंप चालू हो तो कैमरे को हिलाइएगा नहीं।

रेड आइ रिडक्शन थीमें सिंक के साथ

रेड आइ रिडक्शन स्लो सिंक के साथ मिलाना। रात के सीन में ली गई पोट्रेट को इस्तेमाल करें। यह केवल प्रोग्राम्स ऑटो व अपर्चर प्रियारिटी ऑटो एक्सपोजर मोड में ही उपलब्ध है। ब्लर न हो इसके लिए ट्राइपॉड का प्रयोग करें।

#### स्लो सिंक (Fig. 7)

रात और धीमी लाइट में सब्जेक्ट और बैकग्राउंड दोनों को कैचर करने के लिए 30 सेकेंड तक की धीमी शटर स्पीड का इस्तेमाल किया जाता है। यह केवल प्रोग्राम्स ऑटो व अपर्चर प्रियारिटी ऑटो एक्सपोजर मोड में ही उपलब्ध है। ब्लर न हो इसके लिए ट्राइपॉड का प्रयोग करें।



Fig. 7

रिपिटिंग फलैश मोडः इस मोड में, हमें स्ट्रोब लाइट जैसे नतीजे मिलते हैं। आपको निम्न मानक सेट करने का अभ्यास करना चाहिए।

- आउटपुट: आप सब्जेक्ट की दूरी के अनुरूप आउट पावर 1/4 से 1/128 तक रख सकते हैं।
- टाइम्स: जितनी बार आप फायर करना चाहते हैं वह सेट कीजिए।
- फ्रीकैचर्सी: आप 1 से 50 HZ तक सेट कर सकते हैं।

Fig. 8 की इमेज 1/4 आउटपुट, 2 बार पलैश फायरिंग और 2 Hz फ्रीकंवेंसी के साथ शूट किया गया है।

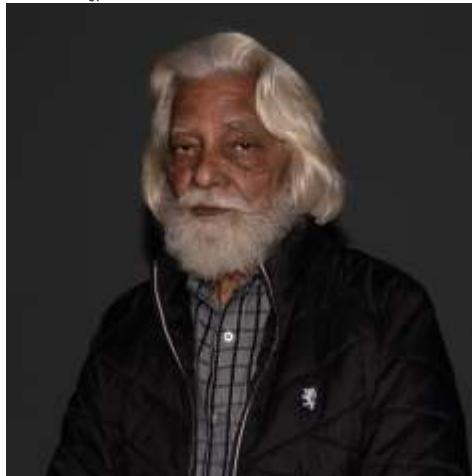


Fig. 8

Fig. 9 की इमेज 1/4 आउटपुट, 2 बार पलैश फायरिंग और 50 Hz फ्रीकंवेंसी के साथ शूट किया गया है।

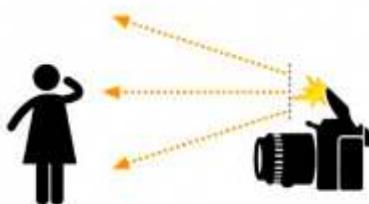


Fig. 9

### डिफ्यूजिंग व बाउंसिंग

कैमरे के पॉप अप पलैश की एक खराब बात है उसका कठोरपन और लाइट की इंटरेस्टी। ऐसा इस्लिए होता है क्योंकि पलैश छोटे क्षेत्र से उत्पन्न होता है। जितने छोटे एरिया से लाइट आएगी उतना ही कठोर लाइट का सोर्स होता है। चूंकि आपके कैमरे का पलैश कैमरे के अंदर फिट होने के हिसाब से ही डिजाइन किया गया है, यह सबसे अधिक कठोर लाइट सोर्स है। कई अन्य टूल बने हैं इस लाइट को ठीक करने व डिफ्यूज करने के लिए, पर हमेशा आप इन टूल को अपने पास नहीं रख सकते। इस केस में, कुछ टिप्प जान लेना आवश्यक है जिससे पॉप अप पलैश के इस्तेमाल सॉफ्ट लाइट क्रिएट हो जाएगी।

डिफ्यूजर एक तरीका है जिससे आप लाइट सॉफ्ट कर सकते हैं। यह आपके लाइट सोर्स का साइज बढ़ाता है जिससे लाइट सॉफ्ट होती है। इसीलिए आप देखेंगे कि फोटोग्राफर्स छाता या सॉफ्ट बॉक्स के साथ फोटोग्राफी करते हैं। लेकिन यह ऑप्शन हर वक्त हमारे साथ नहीं होता। ऐसे में अगर आप अपने कैमरे के साथ फंस गए हों तो आप डिफ्यूजर पर टिशू रुई या कुछ ऐसा ही डाल सकते हैं। आप तुरंत ही फर्क देखेंगे।



Using a material to diffuse the light

Fig. 10

(Fig. 11) मैंने डिफ्यूजर प्रयोग किया Fig. 12 की तस्वीर लेने के लिए।

डिफ्यूजर लाइट के साथ शूटिंग करते हुए ध्यान रखना आवश्यक है क्योंकि लाइट कम होती है और आपकी रेंज भी। कोई भी डिफ्यूजर प्रयोग करेंगे वो लाइट कम कर देगी तो आपको मनमाफिक नतीजे लेने के लिए पलैश कंपन्सेशन के साथ प्रयोग कर सकते हैं।

एक और तरीका पलैश को सॉफ्ट करने वाला है सीलिंग के दूसरी तरफ से बाउंस करा दें और कैमरे को सॉफ्ट बॉक्स बना दें। पलैश से रोशनी सीलिंग पर पड़ेगी जो लाइट को सॉफ्ट कर देगी और कैमरे में फैल



Fig. 11



Fig. 12

### मैनुअल मोड में पलैश:

लाइट के विपरीत शूट करने में सबसे अधिक कठिनाई होती है। मुख्य सब्जेक्ट काला हो जाता है। यहां बिल्ट इन मोड का मैनुअल मोड बहुत उपयोगकारी है। मुख्य सब्जेक्ट से कैमरा की दूरी को देखते हुए पलैश की इंटरेस्टी 1/4, 1/8, 1/16 आदि चुनें और शूट करें।

Fig. 15 में देखिए लाइटिंग कंडीशन जो कि बिना पलैश विलक किया गया है। लाइट इसमें पीछे से आ रही है, सब्जेक्ट डार्क है।

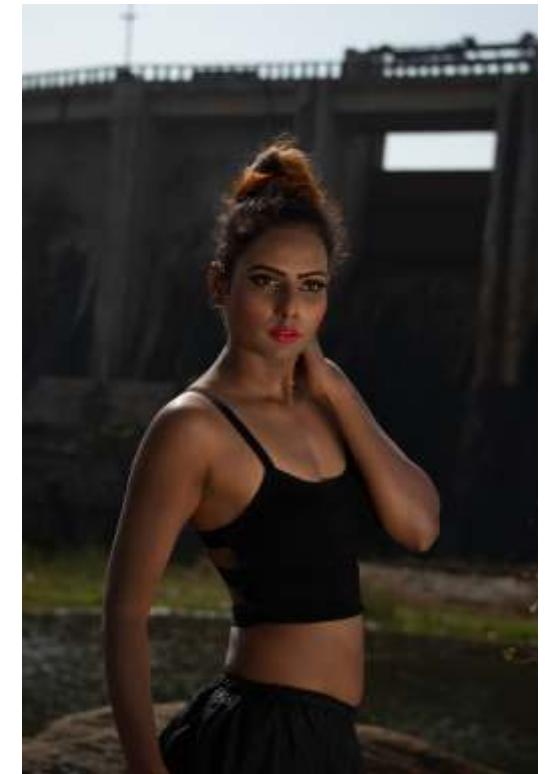


Fig. 15

अब हम बिल्ट इन पलैश मैनुअल मोड में प्रयोग करें और रोशनी को कैमरा की दूरी के हिसाब एडजस्ट करें। मैंने एक चौथाई पलैश इंटरेस्टी का प्रयोग किया और सब्जेक्ट अच्छा जगमगाने लगा। Fig. 16 देखिए।

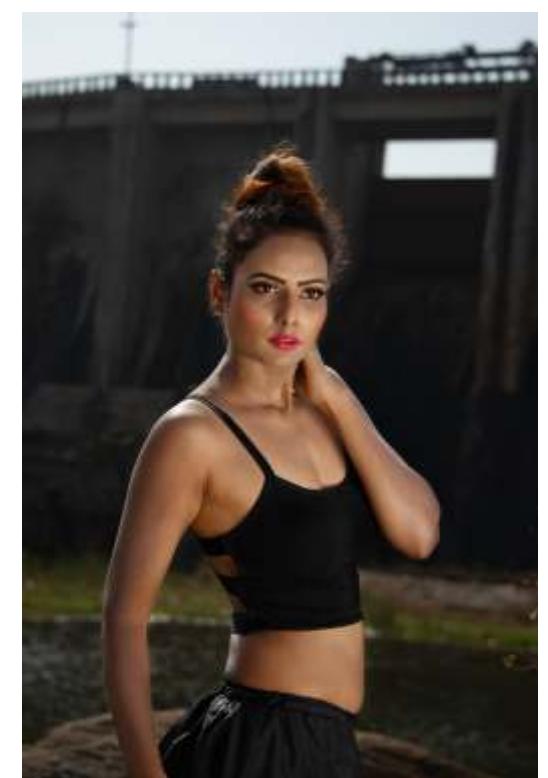


Fig. 16

### मेरी सलाह

- सामान्य लाइटिंग परिस्थितियों में सबसे अच्छा तरीका है रीपीटिंग पलैश मोड को इस्तेमाल करना। पर पैरामीटर्स सेट करने के लिए समय चाहिए।
- टीटीएल पलैश का फिल फीचर मैट्रिक्स या सेंटर वेटेड मोड में इस्तेमाल करना बेस्ट ऑप्शन है।
- लाइट के विपरीत शूट करने के लिए बेरस्ट ऑप्शन है मैनुअल पलैश मोड में फॉटो शूट करना।



Fig. 14

THE NEXT REVOLUTION IN PHOTOGRAPHY BUSINESS NETWORKING

# PHOTO VIDEO ASIA

WED THU FRI  
**19 20 21 AUGUST 2020**

PRAGATI MAIDAN NEW DELHI, INDIA

HALL NO. 8-9-10-11

10:00 AM TO 6:00 PM



#### OUR HIGHLIGHTS

**300+**

EXHIBITORS

**50+**

INTERNATIONAL PARTICIPANTS

**45000+**

VISITORS

**15000+**

PRODUCTS

**30+**

NATIONAL SUPPORTING ASSOCIATION

**15+**

INTERNATIONAL SUPPORTING ASSOCIATION

#### STALL BOOKING & SPONSORSHIP

RAVI AHUJA

+91 99789 01084

photovideoasia@aakarexhibition.com

JAY JOSHI

+91 85111 65063

jay.joshi@aakarexhibition.com

DINESH PUNJABI

+91 99789 00279

dp@aakarexhibition.com

HEENA MEHTA

+91 98989 49393

heena@aakarexhibition.com

#### ORGANISED BY



**AAKAR  
EXHIBITION**

AAKAR EXHIBITION PVT. LTD.

SUPPORTED BY



For Free Entry Give Miss Call On  
**90150 32754**

# लाइटिंग की महत्वपूर्ण बातें

‘

फोटो बेहद खूबसूरत हो, इसके लिये लाइटिंग की कुछ महत्वपूर्ण बातें क्या हों? इसके बारे में बता रहे हैं जाने माने फोटोग्राफर

- आर. प्रसन्ना



लाइट के बिना फोटोग्राफी संभव नहीं है। अच्छी लाइटिंग जहाँ किसी भी शॉट को निहायत खूबसूरत बना सकती है वही खराब लाइटिंग की वजह से मिस यूनिवर्स का हुलिया भी बिगड़ सकता है। ऐसा है लाइट का जादू। इस लेख में हम कुछ उदाहरण की मदद से लाइटिंग को ठीक तरह से समझने का प्रयास करेंगे।

#### मुख्य लाइट यानि कि Key Light:

मुख्य लाइट पहली और सामान्यतः सबसे महत्वपूर्ण लाइट होता है जो कि लाइटिंग सेटअप में फोटोग्राफर इस्तेमाल करता है। मुख्य लाइट का उद्देश्य होता है सज्जेक्ट का फॉर्म व आयाम को हाइलाइट करना। मुख्य लाइट को बहुत आवश्यक जरूरत नहीं है, इसके बिना नतीजों में सिल्हूट (Silhouette) असर रहता है। कई मुख्य लाइट मूविंग सज्जेक्ट को रोशन करने के लिए किसी सीन में इस्तेमाल की जाती हैं। मुख्य लाइट सूरज भी हो सकता है, कोई प्लैश या फिर घर में रखा कोई लैंप भी।

मुख्य लाइट कोई तेज या फिर डिफ्यूज सोर्स हो सकता है। हार्ड सोर्स यानि दोपहर के मध्य में सूर्य जो कि तेज परछाई देता है। कल्पना कीजिए वहीं सूर्य बादलों से धिर



गया है, तब आपको डिफ्यूज लाइट मिलेगी।

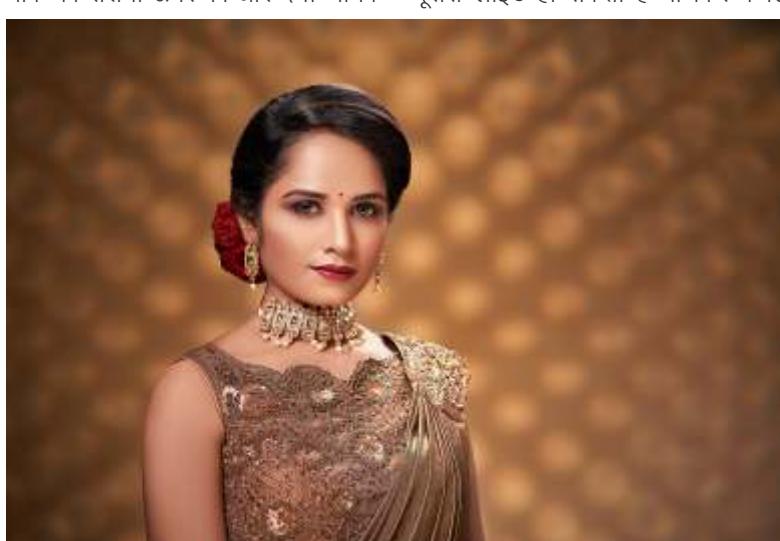
तेज रोशनी पोट्रेट के लिए ठीक नहीं है, खासतौर पर उनके लिए जिनकी स्किन बहुत अच्छी नहीं है। ऐसी रोशनी फैशन शूट के लिए ठीक है जहाँ मॉडल्स की अच्छी त्वचा होती है।

मुख्य रोशनी का स्थान एक और महत्वपूर्ण बात है। मुख्य रोशनी को सामान्य रूप से कंधे से थोड़ा ऊपर रखा जाता है। यदि इसे गर्दन के नीचे रखा गया तो यह नाक की रोशनी ऊपर की ओर देगा जो कि

अच्छा नहीं लगता। यही वजह है मैं इसे गर्दन के नीचे तब तक नहीं रखता जबतक मुझे कोई भूतिया इफेक्ट नहीं चाहिए होता।

#### फिल लाइट Fill Light :

फोटोग्राफिक लाइटिंग में फिल लाइट सीन के कंट्रास्ट को हटाने के लिए प्रयोग में लायी जाती है ताकि कैमरे के डायनामिक रेंज से मैच किया जाए। फिल लाइट को मुख्य लाइट से उत्पन्न हो रही परछाई को कम करने के लिए लगाइए। यह कोई भी दूसरी लाइट हो सकती है या फिर केवल



एक सफेद थरमॉकोल शीट भी।

#### मोटिवेटेड लाइट Motivated Light :

वह रोशनी जो कि सीन को पूरी तरह रोशन करती है पर फिल्म में कोई सोर्स नहीं होता। अनमोटिवेटेड लाइट बड़े लाइट ऑफ कैमरा से आती है। यह विंडो लाइट सोर्स की नकल है या फिर लैंप है। मैं इस लाइट को अक्सर स्टूडियो के अंदर इस्तेमाल करता हूँ जब कोई खास इफेक्ट शॉट में क्रिएट करना हो।

लाइटिंग के बारे में और बाते करेंगे अगले महीने नए अंक में।



# फूड फोटोग्राफी और कैमरा एंगल्स



**स्मिता श्रीवास्तव**  
फूड स्टाइलिस्ट एंड फोटोग्राफर

लिए बहुत उपयोगी होता है जो की ऊंचे होते हैं - उदहारण के तौर पर बर्गर, अलग-अलग फिलिंग्स से भरे हुए सैंडविच, किसी पेय की बोतल, गिलास या जग, एक के ऊपर एक कर ऊँचाई में रखी हुई कूकीज या केक के टुकड़े, पैनकेक्स, लेयर्ड सलाद वाले बाउल्स या कोई भी वह खाद्य पदार्थ जिसमें हमें उसकी ऊँचाई या साइड के डिटेल्स दिखाने हो। सब्जेक्ट और कैमरा सेम प्लेन पे होने की वजह से ऐसे सब्जेक्ट्स को संपूर्ण फोकस मिलता है। तस्वीर में रखे लेयर्ड फूड को अतिरिक्त ऊँचाई और डायानामिक एंगल देने के लिए कैमरा को आई लेवल से कुछ ढिग्गी नीचे या थोड़ा लोअर लेवल पर भी रखा जा सकता है।



Pic-1



Pic-2

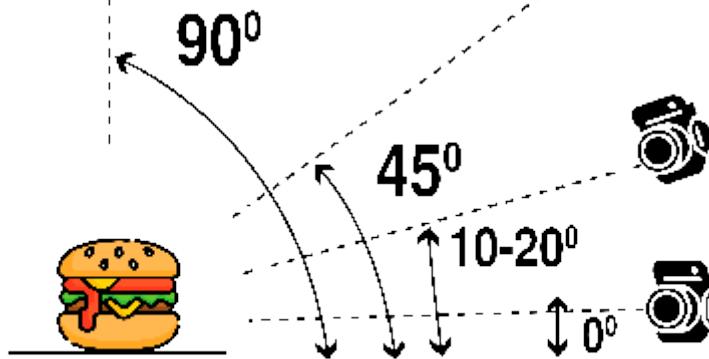
इस तरह के शॉट्स में अक्सर शैलो डेप्थ ऑफ़ फील्ड का प्रयोग करके सब्जेक्ट पर ज़्यादा फोकस दिया जाता है।

फूड की ऊँचाई को हाईलाइट करने के साथ यदि उसकी ऊपरी सतह का भी कुछ अंश दिखाना है तो कैमरा को  $10^\circ$ - $20^\circ$  के एंगल पे रखा जा सकता है। ऊँचाई और परत दर्शाने वाला यह कैमरा एंगल समतल खाद्य पदार्थ या उन पदार्थों जिनकी हमें सिर्फ संपूर्ण सतह दिखानी है के लिए उचित नहीं होता है।

फूड फोटोग्राफी में मूलतः 3 कैमरा एंगल्स से खींचने पर कई अलग-अलग ढंगों से दिखाया जा सकता है, पर किस खाद्य पदार्थ के लिए कौन सा एंगल सबसे उपयुक्त रहेगा यह थोड़े से अभ्यास के साथ आसानी से तय किया जा सकता है।

ओवरहेड कैमरा एंगल /  $90^\circ$  - (Pic 3 & 4) इस फोटोग्राफी एंगल को टॉप एंगल और प्लैट ले के भी नाम से भी जाना जाता है, इसमें कैमरा को फूड के ठीक ऊपर या  $90^\circ$  एंगल पर रखा जाता है। यह एंगल फूड को न सिर्फ एक कहानी का रूप देता है बल्कि हर प्रकार की सामग्री, प्रॉप्स इत्यादि को भी भली भाँति रखने के लिए पर्याप्त जगह और संपूर्ण महत्व देता है। अत्यंत कलात्मक होता है।

स्ट्रैट ऑन एंगल - (Pic 1 & 2) इस फोटोग्राफी एंगल को आई लेवल एंगल के भी नाम से भी जाना जाता है, इसमें कैमरा को फूड के बेस लेवल के समान्तर रखा जाता है। यह एंगल फूड को



के साथ-साथ यह तस्वीर में रचना की स्वतंत्रता देता है। इस एंगल में कम्पोजीशन सबसे अहम भूमिका निभाता है, क्योंकि हर वस्तु इस एंगल से समतल प्रतीत होती है और सब्जेक्ट के साथ-साथ बैकग्राउंड और अतिरिक्त सामग्री को भी पूर्णतः दर्शाती है। इस एंगल के अंतर्गत इस बात का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है कि फ्रेम ज़्यादा भरा-भरा और अनकंपोज़्ड न लगे।

टॉप एंगल के कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं जिन्हें हमें समझना उतना ही आवश्यक है - इस एंगल द्वारा सब्जेक्ट की सतह के डिटेल्स तो बखूबी दिखते हैं परन्तु उसकी

सबसे ऊंची और समतल वस्तु की फोकल प्लेन में अंतर की वजह से फोकसिंग में कुछ कठिनाई भी होती है। संपूर्ण टेबल की दृश्य, पिज़ा, सूप, खाने से भरे हुए प्लेट्स या अन्य अपारदर्शीय बर्तन या जहाँ पर भी फ्रेम के विभिन्न एलिमेंट्स, आकार और टेक्सचर्स को फोकस करना हो, यह एंगल सबसे उपयुक्त रहता है। इंस्टाग्राम पे अत्यंत लोकप्रिय होने के कारण इसे इंस्टा एंगल के नाम से भी जाना जाने लगा है। चित्र को ग्राफिक आयाम देने वाला यह एंगल मोबाइल फोटोग्राफी में भी बहुत क्रिएटिव रिजल्ट्स देता है।



Pic-4

हाइट या ऊँचाई का पता नहीं चलता है। विभिन्न ऊँचाईयों की वस्तुएं होने से अक्सर



Pic-3

श्री फोर्थ एंगल - (Pic 5 & 6) इस फोटोग्राफी एंगल में कैमरा मूलतः  $25^\circ$ - $75^\circ$  के एंगल पर रखा जाता है।  $45^\circ$  एंगल के भी नाम से जाने वाला यह एंगल सब्जेक्ट के साथ-साथ बैकग्राउंड को भी काफी कवर कर तस्वीर को नया आयाम देता है इसलिए कामर्शियल फोटोग्राफी में इसका काफी उपयोग होता है। और एंगल्स की तरह इस एंगल का भी चयन करने के पहले हमें अपने सब्जेक्ट और साथ में प्रयोग हो रहे प्रॉप्स को समझना बहुत ज़रूरी है। यदि सब्जेक्ट की ऊँचाई, सतह, फोरग्राउंड और बैकग्राउंड सब महत्व रखते हैं तो इस एंगल के अंतर्गत हम समस्त आयामों को बखूबी दर्शा सकतें हैं। फोरग्राउंड और बैकग्राउंड की विभिन्न लेयर्स न सिर्फ अच्छी फ्रेमिंग में सहयोग देती है बल्कि डेप्थ ऑफ़ फील्ड को भी कलात्मक तरह से प्रयोग करने का मौका देती है। वाइड एंगल रेंज और फ्लेक्सिबिलिटी होने के कारण इस एंगल को समस्त खाद्य पदार्थों के बहुत रेंज में उपयोग किया जा सकता है।

को शूट करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। और एंगल की तुलना में इस एंगल के अंतर्गत फोटोज लेना थोड़ा आसान होता है। यदि आप फूड फोटोग्राफी में नए हैं तो इस एंगल का उपयोग करके आप शुरुआत कर सकते हैं।



Pic-5



Pic-6

फूड फोटोग्राफी में ट्राईपॉड बहुत उपयोगी होता है। कैमरा को ट्राईपॉड पे माउंट करके न सिर्फ आप लो लाइट में बखूबी स्लो शटर स्पीड का पर्याप्त इस्तेमाल कर सकते हैं और साथ ही सब्जेक्ट को अलग-अलग एंगल्स में शूट कर और आपस में तुलना करके कैमरा एंगल्स और फूड फोटोग्राफी के विभिन्न पहलुओं को भी समझ सकते हैं। तो अगली बार फूड शूट करने के लिए कैमरा उठाने से पहले इन पक्षों पर ज़रूर ध्यान दें -

- शूट होने वाले सब्जेक्ट पर गौर करे और उसकी बनावट, ऊँचाई और समतलता को ध्यान देते हुए उसका वर्ग समझें।
- फूड की किस क्वालिटी को दर्शाना है इसका खास ख्वाल रखें।
- ऊँचे या माध्यम ऊँचाई वाले फूड्स के लिए  $0^\circ$ - $45^\circ$  पे कैमरा रखें।
- समतल सब्जेक्ट्स के लिए  $75^\circ$ - $90^\circ$  पे कैमरा रखें।

थोड़ी सूझ-बूझ और निरंतर प्रैक्टिस के साथ आप न सिर्फ फूड फोटोग्राफी को बेहतर समझ सकते हैं परन्तु नित नए कलात्मक उपयोग करके आप साधारण से दिखने वाले फूड्स को भी नए तरह से प्रस्तुत कर सकते हैं।

# कैसे चुनें सबसे अच्छा स्मार्ट फोन कैमरा !

मेगापिक्सेल क्या हैं?

एक मेगापिक्सेल यानि एक मिलियन पिक्सेल। इन ढेर सारे पिक्सेल से मिल कर एक तस्वीर बनती है।

सीआरटी टीवी केंद्रियों को याद करें तो अगर आप स्क्रीन पर जब ध्यान से देखते थे तो आपको अलग-अलग छोटे लाल, नीले और हरे रंग के ऑनस्क्रीन डॉट्स दिखते थे। उनमें से हर एक डॉट को एक पिक्सेल कह सकते हैं। आज के समय में हमें पास से देखने पर एलसीडी टीवी पर हमें डॉट्स नहीं दिखते। क्योंकि आज के टीवी (और कोई अन्य डिजिटल डिस्प्ले) में लाखों पिक्सेल में पैक होते हैं, इसलिए तस्वीर या वीडियो अधिक डिटेल वाली और वास्तविक दिखती है।

आप को लगता होगा कि जितने अधिक पिक्सेल उपलब्ध होंगे, फोटो उतनी ही डिटेल वाली होगी, लेकिन यह जरूरी नहीं है। हर विलक पर एकत्र किया गए डेटा में अच्छी और बुरी दोनों इनफार्मेशन होती है। बुरी इनफार्मेशन का मतलब है फोटो में नॉइज़, ग्रेन, फीके या ओवर सैचरेटेड रंग।

**क्या अधिक मेगापिक्सेल का अर्थ बेहतर फोटो क्वालिटी है?**

यदि आप 12MP कैमरा फोन के साथ 8MP कैमरा फोन की तुलना कर रहे हैं तो यह हो सकता है कि 12 मेगापिक्सेल का मॉडल बेहतर रिजल्ट दे। लेकिन यह जरूरी जरूरी नहीं है। अगर दोनों सेंसर एक ही आकार के हों तो 8 मेगा पिक्सेल भी बेहतर आउटपुट दे सकता है। यदि दोनों फोन में एक समान आकार का सेंसर है तो 12MP कैमरा का पिक्सेल साइज़ 8MP कैमरा के पिक्सेल से छोटा करना पड़ेगा। बड़े पिक्सेल ज्यादा लाइट सोख सकते हैं इसके विपरीत छोटे पिक्सेल नॉइज़ से अधिक प्रभावित होते हैं। इसलिए कम रौशनी की तस्वीरों में छोटा पिक्सेल साइज़ बेहतर रिजल्ट नहीं दे पाता।

उदाहरण के लिए सैमसंग गैलेक्सी S5 और S6 में 16-मेगापिक्सल सेंसर था जबकि S7, S8 और S9 मॉडल सिर्फ़ 12MP के थे। यहाँ मुख्य अंतर पिक्सेल आकार का था। 12MP के S7 फोन का पिक्सेल साइज़ (1.4µm), 16MP के S6 मॉडल (1.12µm पिक्सेल साइज़) से बड़े आकार का था। इसलिए S7 की इमेज़ क्वालिटी अपने पिछले वर्जन से कहीं बेहतर थी।

स्मार्टफोन से तस्वीरें JPEG फॉर्मेट में ली जाती है। लेकिन आजकल एक नया इमेज़ फॉर्मेट तेज़ी से पॉपुलर हो रहा है जिसका फाइल का आकार कम है। एप्पल ने JPEG फोटो फॉर्मेट को HEF फाइल फॉर्मेट और HEVC (H-265) वीडियो प्रारूप के साथ बदल दिया है। ये फाइल फॉर्मेट बेहतर कम्प्रेशन के साथ क्वालिटी भी मेन्टेन रखता है। परिणाम स्वरूप, फोटो और वीडियो कम जगह लेते हैं। और ब्रांड्स भी इस दिशा में काम कर रहे हैं।

कितने मेगा पिक्सेल से कितने बड़े प्रिंट



लिए जा सकते हैं?

ज्यादा मेगापिक्सेल का सबसे बड़ा फायदा है बड़ा प्रिंट साइज़। आप चाहें तो फोटो को क्रॉप भी कर सकते हैं फिर भी प्रिंट की क्वालिटी से ज्यादा समझौता नहीं करना पड़ेगा। आइए जाने की फोटो क्वालिटी को कम्प्रोमाइज़ किये बिना किस मेगा पिक्सेल से कितना बड़ा प्रिंट बन सकता है। उदाहरण लेने के लिए 12MP की फोटो की चौड़ाई 4000 पिक्सेल और लम्बाई 3000 पिक्सेल होती है। 8 मेगापिक्सेल की फोटो की चौड़ाई 3456 पिक्सेल और लम्बाई 2304 पिक्सेल होती है। आप चाहते हैं कि उन पिक्सेल को जितना संभव हो छोटा प्रिंट किया जाए। आदर्श रूप से आप नहीं चाहते कि तस्वीर में आप पिक्सेल को देख पाए। यदि आप कंप्यूटर की स्क्रीन पर फोटो देख रहे हैं, तो आप को एप्पल के रेटिना डिस्प्ले क्वालिटी मानक वाली तस्वीरें देखने के लिए लगभग 144 पिक्सेल प्रति इंच (PPI) की आवश्यकता होती है। एप्पल के रेटिना डिस्प्ले क्वालिटी से मतलब है यह है कि हाई रेसोल्यूशन पर आपकी अंतर्बंधन की स्क्रीन पर फोटो में पिक्सेल अलग-अलग न दिखे।

इसलिए, यदि आप रेटिना रिज़ॉल्यूशन वाली स्क्रीन पर फोटो को देखने चाहते हैं तो आपकी 8MP की तस्वीर को 24x16 पद से बड़ा नहीं दिखाया जा सकता है, जबकि 12MP की तस्वीर 27.8x20.85 इंच तक की स्क्रीन पर ही सही दिखेगी।

**एक अच्छे फोटो के लिए आपको कितने मेगापिक्सेल की आवश्यकता है?**

यह फोटो के आकार पर निर्भर करता है। जब फोटो प्रिंटिंग की बात आती है, तो स्क्रीन की तुलना में बहुत अधिक पिक्सेल डेंसिटी चाहिए होती है, एक साधारण फोटो प्रिंट के लिए रेसोल्यूशन कम से कम 150 पिक्सेल पर इंच होना जरूरी है। 150ppi पर 8MP की फोटो को आप 23in x 15.4in साइज़ तक प्रिंट कर सकते हैं। उतने ही रेसोल्यूशन पर

जब स्क्रीन की बात आती है, तो यहाँ कुछ आंकड़े दिए गए हैं : 1080p या फुल एचडी रिज़ॉल्यूशन यानि 1,920 x 1,080 पिक्सेल। 1,920 x 1,080 = 2,073,600 पिक्सेल (या 2MP), 4K रिज़ॉल्यूशन 3,840 x 2,160 = 8.2MP, 8K रिज़ॉल्यूशन 7,680 x 4,320 = 33.1MP

हाई मेगापिक्सेल का अपना फायदा है। यदि आप अपने शॉट को क्रॉप करना चाहते हैं तो हाई मेगापिक्सेल फायदेमंद हो सकता है। यदि आप के फोटो में ऑप्टिकल जूम नहीं है तो डिजिटल जूमिंग द्वारा आप इमेज को क्रॉप करके काम लायक तस्वीर निकाल सकते हैं। ऑप्टिकल जूम फोटो क्वालिटी को खराब नहीं करती। क्योंकि फोटो के एलार्ज होने पर भी समान संख्या में पिक्सेल के प्रचंचर होते हैं। लेकिन डिजिटल जूम सिर्फ़ डिजिटल रूप से फोटो को एलार्ज करता है।

अपर्चर एक और महत्वपूर्ण कैमरा फीचर है। अपर्चर द्वारा कैमरा में रौशनी प्रवेश करती है। यदि आप कम रौशनी में फोटो के एलार्ज होने पर भी समान संख्या में पिक्सेल के प्रचंचर होते हैं। लेकिन डिजिटल जूम सिर्फ़ डिजिटल रूप से फोटो को एलार्ज करता है।

कुछ अन्य विशेषताएं जैसे इमेज प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर, मल्टी कैमरा सेटअप और ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइजेशन भी फोटो को बेहतर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे एक ही सेंसर अलग अलग रिजल्ट देता है। यह इमेज प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर की वजह से होता है। हर फोटो मॉडल में कैमरा सेटअप भी अलग अलग तरह से काम करते हैं। मल्टी कैमरा सेटअप में कहीं एक कैमरा सेंसर डेप्थ या मोनोक्रोम सेंसर हो सकता है तो कहीं टाइम ऑफ़ फ्लाइट सेंसर। वाइड, टेली, मैक्रो जैसे लेंस ऑप्शन्स बहुत उपयोगी हैं।

उपरोक्त बातों से यह साबित होता है कि सिर्फ़ मेगापिक्सेल फोटो क्वालिटी का पैमाना नहीं है इसीलिए फोटो लेते वक्त उपरोक्त सभी बातों पर ध्यान देने की ज़रूरत है।



सबसे बेहतर कैमरा फोन ब्रांड्स में एप्पल और गूगल का नाम सैमसंग से ऊपर आता है। पिछले साल सैमसंग ने अपने प्रीमियम फोटो S10 में फोटो क्वालिटी बेहतर करने के लिए न केवल कैमरों की संख्या बढ़ाई थी बल्कि उसमें ड्यूल अपर्चर की सुविधा भी दी थी। लेकिन नंबर बन बनने के लिए इतना काफी नहीं था।

साल 2020 में इमेज क्वालिटी को और बेहतर करने के लिए केवल सैमसंग अपने नए लांच होने वाली प्रीमियम फोटो सीरीज के बेस वैरिएंट S20 और S20+ के प्राइमरी कैमरा में सोनी के 12 मेगा पिक्सेल के नए आईएमएक्स 555 सेंसर का प्रयोग करेगा। सोनी के इस सेंसर का पिक्सेल साइज़ 1.8 माइक्रोमीटर है। इस सेंसर को इस्तेमाल करने वाला सैमसंग पहला ब्रांड होगा। सैमसंग के पिछले फ्लैगशिप फोटो सैमसंग S10 का पिक्सेल साइज़ 1.4 माइक्रोमीटर ही था।

जहाँ एक तरफ बहुत से ब्रांड्स का फोकस पिक्सेल काउंट बढ़ने पर ज्यादा है वहाँ सैमसंग बड़े पिक्सेल वाले सेंसर का इस्तेमाल करने जा रहा है। छोटे पिक्सेल की तुलना में बड़े पिक्सेल ज्यादा रौशनी कैचर करने में समर्थ होते हैं। इससे बहुत कम रौशनी में भी ली गई तस्वीरें ज्यादा डिटेल और बेहतर आ सकेगी। ट्रेड मार्क एप्लीकेशन में सैमसंग ने इसे सुपर आईएसओ नाम दिया गया है।

मिल रही जानकारी के अनुसार कैमरा हार्डवेयर के अलावा सॉफ्टवेयर को भी बहुत अपग्रेड किया गया है। जिससे सैमसंग की कैमरा क्वालिटी भी गूगल के नाईट साईट के समकक्ष हो जाएगी। इन दोनों ही वैरिएंट्स में सेकेंडरी 10X ऑप्टिकल जूम (100X डिजिटल जूम) कैमरा 64 मेगापिक्सेल के हो सकते हैं। सैमसंग S20 के अलावा इसके सबसे एडवांस वैरिएंट सैमसंग S20 अल्ट्रा का मैन सेंसर 108 मेगापिक्सेल का होगा। इस सीरीज के फोटो में 30fps पर 8K पर वीडियो रिकॉर्डिंग करना संभव होगा।

# पंचम तिमाही फोटो प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ और सराहनीय

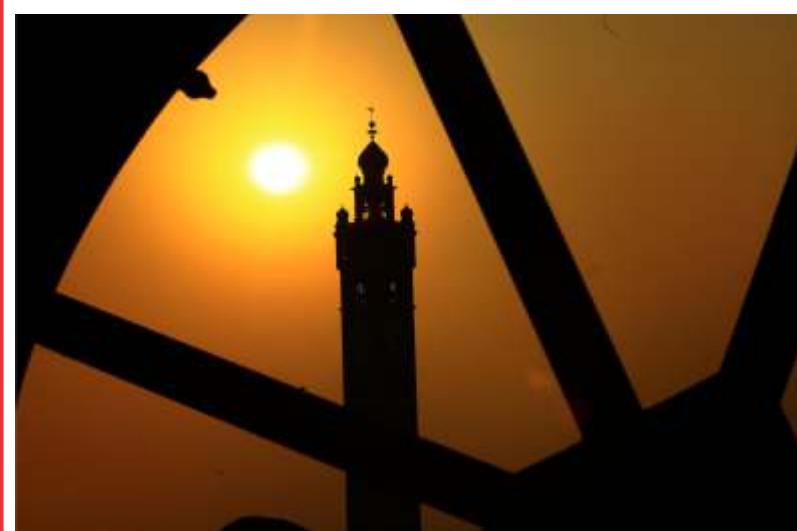


## सर्वश्रेष्ठ

32GB पेन ड्राइव



रंजन गौर  
वाराणसी (उत्तर प्रदेश)



## सांत्वना (प्रथम)

पूर्वी चौधरी  
कानपुर (उत्तर प्रदेश)



## सांत्वना (द्वितीय)

अभिषेक प्रजापति  
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)



## सराहनीय



16GB पेन ड्राइव



लक्ष्य  
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)



## सांत्वना (तृतीय)

गुंजन वसन्त  
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)



# बिज़ी विभाइट बिज़नेस

बड़ी सफलता पाने के लिए खुद को क्या करना पड़ेगा? इसी फलसफे को बताता आनन्द कृष्ण लाल का आलेख



प्रोडक्टिव है। कई बार हम व्यस्त भी रहते हैं और उसका रिटर्न हमें वैसा नहीं मिलता। इसका मतलब हमारी व्यस्तता सही दिशा में नहीं है और कहीं न कहीं कुछ कमी ज़रूर है।

अब आपको लगेगा कि प्रोडक्टिविटी कैसे पता चलेगी, तो उसका भी एक तरीका बता रहा हूँ यहाँ। आप अपना असेसमेंट करिये कि यदि आप महीने भर कोई काम करते हैं तो आपको कितने पैसे कमाने चाहिए या यूँ कहें कि आपकी काबिलियत की एक महीने की रिटर्न वैल्यू क्या है। आप कोई भी अमाउंट अपने लिए सोच सकते हैं, जिसे आप एक महीने की अपनी कमाई समझेंगे। अब आप यदि इस कमाई को 30 से डिवाइड करें तो आपकी प्रतिदिन की आय आपके अनुसार क्या होगी ये पता चलेगी। पर रुकिए नहीं आप इस प्रतिदिन की कमाई को पहले 24 से और जो आये उसे 60 से डिवाइड करें तो आपको पता चलेगा की वाकई आपको हर मिनट कितने पैसे कमाने चाहिए या अन्य शब्दों में ये पता चलेगा कि आपका एक मिनट कितना कीमती है। इससे ये पता चलेगा की आपके लिए प्रति मिनट कितना पैसा कमाना ज़रूरी है ताकि आपकी लिंगरी हंसी-खुशी चलती रहे। तो हर दिन ये जानना ज़रूरी है कि आप जिस लक्ष्य के लिए काम कर रहे हैं वो लक्ष्य पूरा हो रहा है या नहीं।

"काम में बहुत बिज़ी रहता हूँ, एकदम समय नहीं मिलता" ऐसा कई बार कई लोगों से सुनने को मिलता है। पर बिज़ी या व्यस्त रहने की सच्चाई क्या है। जो भी काम करता है वो व्यस्त ज़रूर होता है पर देखना यह है कि वास्तव में वो सही तौर पर कितना व्यस्त है। यह सच है कि जीवन में आगे बढ़ने और तरकी करने के लिए अपने काम में व्यस्त होना ज़रूरी है। परन्तु इस व्यस्तता के साथ क्या हम अपने जीवन को मन से और स्वच्छंदता से जी पा रहे हैं? कई लोग दिखावे के लिए भी ऐसा बोलते हैं कि वो बहुत व्यस्त होते हैं और दूसरे ज़रूरी कामों के लिए बक्तव्य नहीं मिलता और वहीं बहुत से लोग व्यस्त रहने के एक स्टेटस सिंबल भी मानते हैं। अब सवाल यह है कि यदि आप बहुत व्यस्त रहते हैं तो अपने काम में उस समय को देने के बाद आपको फायदा क्या मिल रहा है। यानी कि आपका अपने काम में दिया गया समय कितना



**"No body is too busy,  
it is just a matter  
of priorities"**

लड़के की पॉकेट मनी दुगनी हो गयी लेकिन वह सफल और बड़ा बिज़नेसमैन अभी भी संतुष्ट नहीं था। अगले दिन उसने अपने बेटे को फिर से बुलाया और उसे आटा देते हुए कहा - अगर तुमने इसकी कीमत बढ़ा दी तो मैं फिर से तुम्हारी पॉकेट मनी दुगनी कर दूँगा।

उस लड़के ने कुछ देर तक सोचा कि वो अब क्या करे। सोचते-सोचते अचानक उसे ख़्याल आया कि पास ही एक बेकरी है। फिर वह बेकरी से उस आटे की ब्रेड बनवा कर ले आया। ऐसा करने से उस आटे की कीमत बढ़ गयी और पिता ने खुश होकर अपने बेटे का जेब खर्च भी दुगना कर दिया। वह बिज़नेसमैन अभी भी संतुष्ट नहीं हुआ इसलिए उसने अपने बेटे की एक ओर परीक्षा लेनी की सोची।

अगले दिन फिर उसने अपने बेटे को बुलाया और उसे ब्रेड देते हुए कहा - कुछ ऐसा करो जिससे इस ब्रेड की कीमत बढ़ जाए।

अगर तुम ऐसा कर पाए तो मैं फिर से तुम्हारी पॉकेट मनी कर दूँगा। यह सुनकर वह लड़का कुछ देर तक सोचता रहा फिर वह ब्रेड लेकर रसाई में गया और केक बनाकर लाया और अपने पिता को दिया। यह देखकर पिता बहुत ही खुश हुए। अब उसके पिता को लगने लगा था कि उसका बेटा बिज़नेस को अच्छे तरीके से संभाल सकता है। दोस्तों इस कहानी से मैं आपको यह समझाना चाहता हूँ कि इस दुनिया में इंसान को उसकी कीमत से जाना जाता है और इंसान की कीमत उसकी अपने काम में लगाई गयी मेहनत और कुशलता से काम को दिए समय के कारण बढ़ती है। साथ ही आप अपने काम में कितने दक्ष और गुणी हैं इस पर भी आपकी सही व्यस्तता और सफलता निर्भर करती है। तो यदि आप अपने एक-एक मिनट की सही कीमत चाहते हैं तो अपने काम में प्रोडक्टिव

आजकल देखा गया है बहुत से लोग अपने काम के समय को इधर-उधर या सोशल मीडिया पर खर्च कर देते हैं और बाद में रोना रोते हैं कि उनके पास टाइम नहीं होता। आप व्यस्त रहना चाहते हैं तो ये आपका अपना फैसला होगा। परन्तु काम और जीवन के बीच का तारतम्य और बैलेंस बनाये रखने के लिए आपको ही अपनी प्राथमिकताएं देखनी होंगी। दूसरे को दिखाने के लिए व्यस्त रहने की ज़रूरत नहीं है, बल्कि ज्यादा फायदा देने वाला काम और मन लगा कर काम करने की ज़रूरत है। मेरे एक पुराने बॉस बोलते थे कि यदि ऑफिस का समय 6 बजे शाम को समाप्त हो जाता है और आप अपना उस दिन का काम 6 बजे तक पूरा नहीं कर पा रहे तो इसका मतलब आप उतने एपिक्सिएट नहीं हो जितना की होना चाहिए। तो दोस्तों अपने काम में व्यस्त हो जाइये लेकिन ऊपर लिखी गातों का ध्यान रखिये।



## तिमाही फोटो प्रतियोगिता

फोटोग्राफी में अपना नाम और पहचान बनाने के साथ-साथ उपहार पाने और स्टूडियो न्यूज़ में प्रकाशित होने का मौका। उठाइये अपना कैमरा, रचनात्मक तस्वीरें खींचे और हमें भेजें।

नियम :

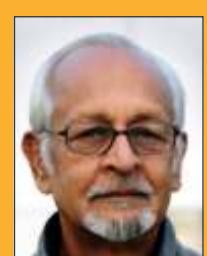
1. फोटो केवल डिजिटल रूप में भेजनी है। फाईल का फार्मेट JPEG होना चाहिए।
2. फोटो कलर या B/W कोई भी हो सकती है।
3. फोटो का साइज 8x10 इंच में एवं 300 dpi की होनी चाहिए।
4. फोटो के ऊपर कोई वाटर मार्क या नाम नहीं लिखा होना चाहिए।
5. कम्पटीशन में अधिकतम 2 फोटो ही भेज सकते हैं।
6. प्रतिभागी अपनी फोटो के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा। किसी दूसरे की फोटो होने पर स्टूडियो न्यूज़ जिम्मेदार नहीं होगा।
7. फोटोग्राफर अपनी पासपोर्ट साइज फोटो, पूरा पता एवं फोन नम्बर अवश्य भेजें अन्यथा उनकी फोटो प्रतियोगिता में शामिल नहीं की जायेगी।

फोटो infostudionewsup@gmail.com पर मेल करें।

### निर्णायक दल

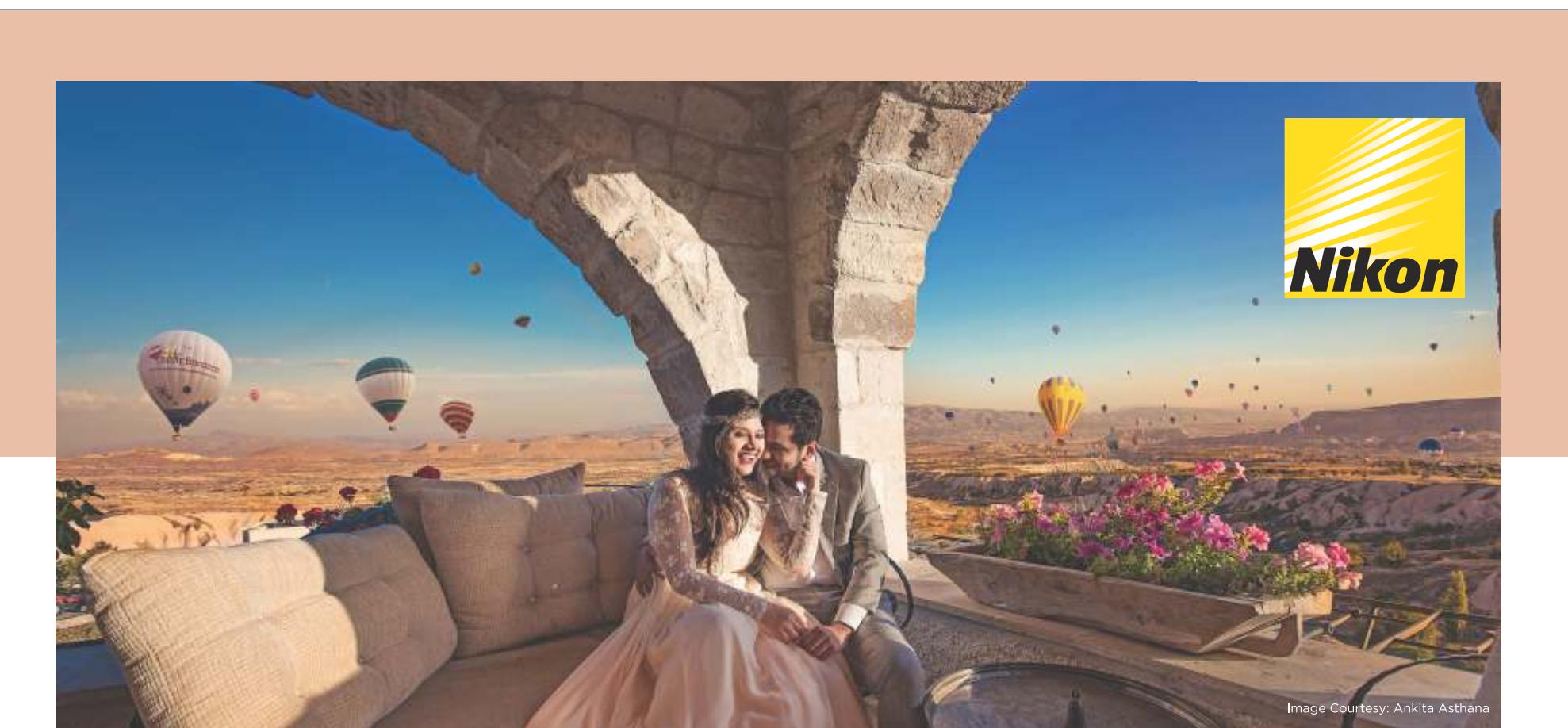


वरिष्ठ छायाकार  
अनिल रिसाल सिंह



आर्द्द्द कॉलेज के  
पूर्व प्रिंसिपल  
जयकृष्ण अग्रवाल

प्रतियोगिता की  
अन्तिम तिथि  
**28 अप्रैल  
2020**



Nikon

Image Courtesy: Ankita Asthana



## Is it just your wedding film? Or an award winning wedding film?

₹  
**1 CRORE\***  
SHARE YOUR WEDDING FILM SHOT  
ON NIKON AND STAND A CHANCE  
TO WIN PRIZES WORTH

35 couples & 35 videographers will win exciting  
prizes worth up to ₹ 2 lakhs each!

\* Monthly basis winners declared from October onwards

### Winners take away

FILM MAKERS (WEDDING AND PRE WEDDING )
<b>WINNER</b> <b>Z 6</b> With 24-70mm Lens + Mount Adapter FTZ
<b>FIRST RUNNER-UP</b> <b>D750</b> With 24-120mm VR Lens
<b>SECOND RUNNER-UP</b> <b>D7500</b> With AF-S NIKKOR 18-140mm VR Lens

BRIDE & GROOM (WEDDING AND PRE WEDDING )
<b>WINNER</b> <b>₹ 1 Lakh</b> +  Cash Prize Voucher Worth ₹ 1 Lakh
<b>FIRST RUNNER-UP</b> <b>₹ 75K</b> +  Cash Prize Voucher Worth ₹ 75K
<b>SECOND RUNNER-UP</b> <b>₹ 25K</b> +  Cash Prize Voucher Worth ₹ 50K

### Special mention category

FILM MAKERS	BRIDE & GROOM
<b>D5600</b> With AF-P 18-55mm VR Kit Lens	Voucher Worth ₹ 50K

Additional ₹ 5 Lakhs giveaway as consolation prizes to be won!



SCAN TO REGISTER OR VISIT  
[WWW.NIKONWEDDINGFILMAWARDS.COM](http://WWW.NIKONWEDDINGFILMAWARDS.COM)

Corporate/Registered Office & Service Centre: Nikon India Pvt. Ltd., Plot No. 71, Sector 32, Institutional Area, Gurugram-122001, Haryana, (CIN-U74999HR2007FTC036820). Ph.: 0124 4688500, Fax: 0124 4688527, Service Ph.: 0124 4688514, Service ID: nindsupport@nikon.com, Sales and Support ID: nindsales@nikon.com

TO LOCATE DEALERS IN YOUR AREA ► SMS NIKON <PINCODE> to 57575 ► CALL TOLL FREE No.: 1800-102-7346 ► VISIT OUR WEBSITE: [www.nikon.co.in](http://www.nikon.co.in)

T&C Apply  
Fisheye